गुस्ताखी माफ

छोड़ दीजिए छेड़ना, अपनी-अपनी तान।
सभी विपक्षी आप अब, मिलकर गायें गान।
मिलकर गायें गान, तभी कुछ सुर निकलेगा।
लोग सुनेंगे तभी, सभी का दिल पिघलेगा।
कह साहिल कविराय, हमारी मान लीजिए।
अपनी-अपनी तान, छेड़ना छोड़ दीजिए।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 187 | WEDNESDAY 15-07-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

धागा कारोबारी हीरा सचदेवा पर ED का एक्शन, बैंक अकाउंट किए सीज! कई और भी रडार पर

क्या ट्रेडिंग और विदेश भेजने के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वालों पर ईडी करेगी कार्रवाई ?

लुधियाना/यूटर्न/14 जुलाई। लुधियाना शहर में गेमिंग ऐप के जरिए की जा रही करोड़ों रुपए की कमाई के मामले में ईडी द्वारा कार्रवाई तेज कर दी गई है। ईडी की और से शहर के धागा कारोबारी हीरा सचदेवा पर पिछले दिनों रेड की थी। चर्चा है कि इस मामले में ईडी की और से एक्शन लेते हुए हीरा सचदेवा के सभी बैंक अकाउंट सीज कर दिए गए हैं। चर्चा है कि सचदेवा के इन खातों के जरिए ही गेमिंग ऐप के पैसों का लेनदेन होता था। हालांकि कुछ दिन पहले हुई रेड के बाद हीरा सचदेवा द्वारा खुद को पाक साफ बताया जा रहा था। लेकिन विभाग के इस एक्शन ने उनके दावों की पोल खोलकर रख दी है। चर्चा है कि ईडी द्वारा हीरा सचदेवा से संबंधित अन्य लोगों को लेकर भी जांच की जा रही है। आने वाले दिनों में विभाग द्वारा और भी एक्शन लिया जा सकता है। हालांकि अभी ईडी ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है।

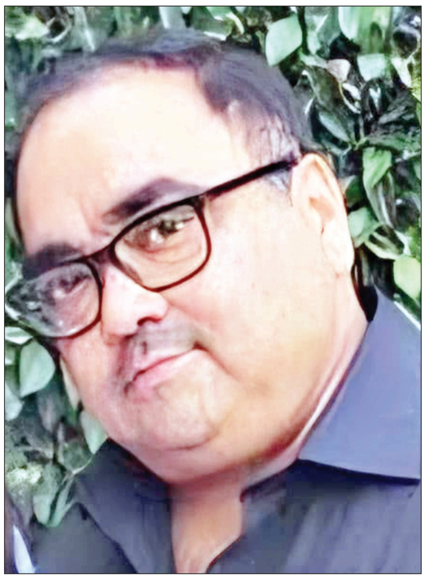

धागा कारोबारी हीरा सचदेवा

रेड के दौरान हाथ लगे सबूतों ने खोली पोल

ईडी को सूचना मिली थी कि गेमिंग ऐप के जरिए लोगों से ठगी मारकर कमाए पैसों को हीरा सचदेवा द्वारा संभाला जाता है। जिसके चलते 14 मई को ईडी की टीम ने एक साथ सचदेवा की आरके रोड पर स्थित धागा फैक्ट्री और फिरोजपुर रोड स्थित ग्रीन सिटी में आलीशान कोठी पर रेड की थी। इसके अलावा कई और ठिकानों पर भी रेड हुई। यह कार्रवाई दूसरे दिन तक चली थी। चचाएं है की इस छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस और वित्तीय रिकॉर्ड जब्त किया था। हालांकि इस संबंध एजेंसी ने जानकारी सांझी नहीं की थी। लेकिन चर्चा है कि इस रिकॉर्ड में ही कई सबूत विभाग के हाथ लग गए थे। जिसने आगे कड़ी से कड़ी जोड़ी।

ऐप की फंडिंग मैनेज करने के आरोप

चर्चा है कि गेमिंग एप के जरिए आने वाली करोड़ों की फंडिंग को हीरा सचदेवा द्वारा मैनेज किया जाता था। यानि कि कहा से कितना फंड आना और आगे किसे ट्रांसफर किया जाना है, यह सारा कारोबार हीरा सचदेवा करता था। वैसे कहने को तो वे धागे का कारोबारी है। लेकिन पिछले छह साल के दौरान उसने काफी तेजी से तरक्की की। चर्चा है कि गेमिंग एप का पैसा संभालने की एवज में रोजाना के 15-20 लाख रुपए कमीशन मिलती थी। वे पहले सनव्यू एन्क्लेव में रहते थे। लेकिन कुछ समय पहले ही ग्रीन सिटी में करीब एक एकड़ में नई कोठी बनाई थी। ऐसे में वे लगातार शक के घेरे में आता रहा।

इन खातों के जरिए होती थी ट्रांजेक्शन

चर्चा है कि हीरा सचदेवा द्वारा गेमिंग ऐप का पैसा ठिकाने लगाने को कई बैंक अकाउंट इस्तेमाल किए जाते थे। इन खातों की ट्रांजेक्शन ईडी के हाथ लग गई थी। जिसके बाद ईडी ने जांच तेज की। फिर अब जांच के अगले पड़ाव में खाते सीज किए गए। चर्चा है कि इन खातों में करोड़ों रुपए की रकम पड़ी है। विभाग द्वारा उनके व्यापारिक नेटवर्क के अलावा वित्तीय लेनदेन और संपत्तियों को लेकर भी जांच की जा रही है। जिसे लेकर पूरे औद्योगिक और कारोबारी क्षेत्र में हलचल का माहौल है।

ट्रैवल एजेंट पर भी ईडी की कार्रवाई अधूरी

इसी तरह विदेश भेजने के नाम पर करोड़ों की ठगी मारने वाले हैबोवाल के ट्रैवल एजेंट नीतीश घई पर पहले 100 से अधिक मामले दर्ज हुए। अक्टूबर 2024 में ईडी ने खुद उसके खिलाफ आम जनता और सरकार खिलाफ करोड़ों की ठगी करने के आरोप में थाना डिवीजन नंबर पांच में एफआईआर दर्ज करवाई। फिर नवंबर 2024 में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत जांच शुरू की और कोर्ट में याचिका दायर की। लेकिन आज तक पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर सकी और ईडी की कार्रवाई भी पूरी नहीं हो सकी।

क्या ईडी ट्रेडिंग एक्सपर्ट पर कसेगी शिकंजा ?

लुधियाना पुलिस द्वारा मई 2023 में फिरोजगांधी मार्केट से हैबोवाल की बावा कॉलोनी व मौजूदा पक्खोवाल रोड के अनिल जैन, हैबोवाल के लक्ष्मी नगर के सनी कुमार और अहमदगढ़ के करमजीत कौर को गिरफ्तार किया था। जिन पर वी-ट्रेड एप के जरिए लोगों को ट्रेडिंग का लालच देकर करोड़ों रुपए इन्वेस्ट करवा ठगी करने के आरोप है। चर्चा है कि यह लोग कुछ समय में ही करोड़पति बन गए। लग्जरी कारें और जमीनें ली। जिसमें ओरिएंट सिनेमा मार्केट के पास करीब 3.50 करोड़ रुपये का एक एससीओ, धांदरा रोड पर लगभग 90 लाख रुपये की तीन प्रॉपर्टी, कोहारा में 25 लाख रुपये का एक प्लॉट और 50 लाख रुपये का एक घर शामिल है। वहीं पक्खोवाल रोड पर आलीशान कोठी बनाई। शहर में चर्चा है कि इन दोनों मामलों में लोगों को भारी मात्रा में चूना लगाया गया है। लेकिन लुधियाना पुलिस इनसे ज्यादा बड़ी बरामदगी नहीं कर सकी। अब सभी की नजरें ईडी पर है। देखना होगा कि क्या ईडी इन पर एक्शन लेती है या नहीं। चर्चा है कि यह लोग फिर से मार्केट में कारोबार कर रहे हैं।

यूएसडीटी डॉलर के जरिए होता था खेल

चर्चा है कि हीरा सचदेवा द्वारा गेमिंग एप का ज्यादा पैसा यूएसडीटी के जरिए ही खपाया जाता था। यह चैनल फास्ट और भारी अमाउंट के लिए काफी फायदेमंद है। आसानी से ट्रेस नहीं होता और बड़ी पेमेंट भी इधर-उधर हो जाती है। इसी लिए सचदेवा ही नहीं बल्कि दुनिया के 90 प्रतिशत हेरफेर करने वाले लोग इसी का इस्तेमाल करते हैं। इसके जरिए हवाला कारोबार भी आसान होता है। बुकियों द्वारा जितनी ब्लैकमनी कमाई जाती है, वह डिजीटल रुप में कमाते हैं। ऐप की रकम यूएसडीटी में कनवर्ट करके अलग अलग नेटवर्क के जरिए भारत लाई जाती है। फिर उक्त ब्लैकमनी को होटल व अन्य सेक्टर में इन्वेस्ट कर व्हाइट बनाया जाता है।

25 रु. महीने से शुरू हुआ सफर, आज देश के नामी टैक्स लॉयर हैं एडवोकेट सहगल

लुधियाना/यूटर्न/14 जुलाई। कहते हैं कि अगर इरादे मजबूत हों तो हालात कभी मंज़िल का रास्ता नहीं रोक सकते। दिल्ली से एक साधारण छात्र के रूप में निकले सुधीर सहगल ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि वह वकालत की दुनिया का बड़ा नाम बनेंगे। सेना के परिवार से आने वाले सुधीर सहगल ने बंदूक नहीं, कानून की किताब को अपना हथियार बनाया और संघर्ष, अनुशासन व मेहनत के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई। 'ख्वाब से पहचान तक' में पेश है वरिष्ठ आयकर अधिवक्ता एडवोकेट सुधीर सहगल से खास बातचीत।

आपका 'ख्वाब से पहचान तक' का सफर कैसे शुरू हुआ?

सुधीर सहगल: मैं सेना के परिवार से हूं। पिता और बड़े भाई दोनों आर्मी में थे। परिवार चाहता था कि मैं भी फौज में जाऊं, लेकिन मुझे हथियारों और लड़ाई से हमेशा डर लगता था। इसलिए मैंने अलग रास्ता चुना।

बी.कॉम. के बाद मैं काफी असमंजस में था। उसी दौरान कानून की पढ़ाई शुरू की। यह फैसला कोई सपना देखकर नहीं लिया था, बल्कि परिस्थितियों ने मुझे इस दिशा में ला खड़ा किया।

शुरूआती संघर्ष कितना कठिन था?

सुधीर सहगल: जब मैं लुधियाना आया तो जेब में बहुत कम पैसे होते थे। पिता हर महीने 125 रुपये भेजते थे, जिनमें से 100 रुपये किराए में चले जाते थे। पूरे महीने के खर्च के लिए सिर्फ 25 रुपये बचते थे। मेरे पास साइकिल तक नहीं थी। रोज पैदल अदालत और दफ्तर जाता था। कई बार जेब में सिर्फ 20-30 पैसे बचते थे और पूरे महीने का हिसाब लगाना पड़ता था।

टाइपिंग सीखने का फैसला आपकी जिंदगी में कितना अहम साबित हुआ?

सुधीर सहगल: मेरी पढ़ाई के दौरान तीन महीने का गैप था, तब मैंने टाइपिंग सीखी। बाद में अदालत के एक वरिष्ठ टाइपिस्ट के साथ काम किया। रोज कानूनी दस्तावेज टाइप करते-करते कानूनी भाषा अपने आप दिमाग में बैठ गई। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो समझ आता है कि उस छोटी-सी स्किल ने मुझे एक बेहतर ड्राफ्टिंग लॉयर बनाया।

आपने खुद को एक सफल आयकर वकील कैसे बनाया?

सुधीर सहगल: मैं सिर्फ केस लड़ने तक सीमित नहीं रहा। मैं खुद चंडीगढ़, दिल्ली और दूसरे शहरों में जाकर कानून, प्रक्रियाएं और फैसले समझता था। कोर्ट में बहस करने से पहले घंटों तैयारी करता था। पार्क में खड़े होकर बहस की प्रैक्टिस करता था। आईने के सामने बोलता था। मेरा मानना है कि तैयारी जितनी मजबूत होगी, सफलता उतनी बड़ी होगी।

आपका पहला बड़ा केस कौन-सा था?

सुधीर सहगल: मेरा पहला बड़ा टैक्स केस लगभग 50 लाख रुपये का था, जो उस समय बहुत बड़ी राशि मानी जाती थी। उस केस की तैयारी में मैंने दिन-रात एक कर दिया। कई वरिष्ठ वकीलों से सीखा और हर छोटी-बड़ी बात नोट की। वही अनुभव आगे चलकर मेरी सबसे बड़ी ताकत बना।

आपने इनकम टैक्स लॉ को ही क्यों चुना?

सुधीर सहगल: यह कोई पहले से तय फैसला नहीं था। जिस दफ्तर में मैंने शुरूआत की, वहां आयकर के मामलों पर काम होता था। धीरे-धीरे उसी क्षेत्र में रुचि बढ़ी और मैंने तय किया कि इसी विषय में विशेषज्ञता हासिल करनी है।

आज के युवा वकीलों के लिए आपका संदेश?

सुधीर सहगल: कोई भी काम छोटा नहीं होता। मैंने अपने कपड़े खुद धोए, खुद प्रेस किए, टाइपिंग की, साइकिलें उठाईं, पैदल चला और हर छोटी चीज से सीखा। मेहनत, ईमानदारी और सीखने की भूख कभी मत छोड़िए। सफलता रातोंरात नहीं मिलती, लेकिन लगातार मेहनत करने वालों को मंज़िल जरूर मिलती है।

आपकी सफलता का सबसे बड़ा मंत्र क्या है?

सुधीर सहगल: मेरे लिए सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है— "Practice makes a man perfect." हर दिन कुछ नया सीखिए। परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन हों, हार मत मानिए। भगवान पर विश्वास रखिए, मेहनत करते रहिए और अपने काम के प्रति ईमानदार रहिए। पहचान अपने आप बन जाती है।

ओला के कथित संचालन पर कैब ड्राइवर एसोसिएशन ने प्रशासन और केंद्र को भेजा कानूनी नोटिस

एसटीए के निलंबन आदेश के बावजूद ऐप पर बुकिंग जारी रहने का आरोप

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जुलाई। ट्राईसिटी कैब ड्राइवर्स वेलफेयर एसोसिएशन (पंजीकृत) ने आरोप लगाया है कि राज्य परिवहन प्राधिकरण (एसटीए), चंडीगढ़ द्वारा ओला कैब्स के संचालन पर लगाए गए निलंबन के बावजूद कंपनी का प्लेटफॉर्म कथित रूप से अब भी चंडीगढ़ में संचालित हो रहा है। इस संबंध में एसोसिएशन ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के अधिवक्ता जीवाराज के माध्यम से चंडीगढ़ प्रशासन और केंद्र सरकार के संबंधित विभागों को कानूनी नोटिस भेजा है।

नोटिस परिवहन सचिव, चंडीगढ़ प्रशासन के मुख्य सचिव, राज्य परिवहन प्राधिकरण (एसटीए), सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा केंद्रीय गृह सचिव समेत संबंधित अधिकारियों को भेजा गया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष विक्रम सिंह पुंडीर ने बताया कि एसटीए ने 17 जून 2026 को जारी आदेश में ओला (एएनआई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड) के चंडीगढ़ में संचालन को छह

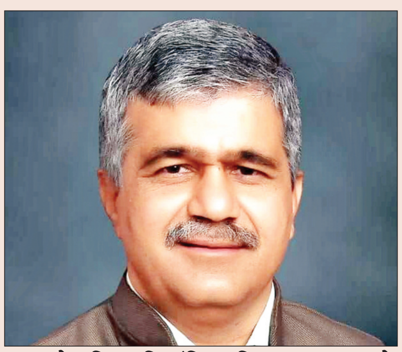

माह के लिए निलंबित किया था। इसके बावजूद उनका दावा है कि ओला का मोबाइल ऐप अब भी चंडीगढ़ क्षेत्र में बुकिंग स्वीकार कर रहा है, जो निलंबन आदेश के उल्लंघन के समान है।

एसोसिएशन का आरोप है कि इस स्थिति का सबसे अधिक नुकसान कैब चालकों को उठाना पड़ रहा है। उनके अनुसार, कई ड्राइवर अनजाने में ओला ऐप के माध्यम से सवारी बुक कर रहे हैं, जिसके बाद उन्हें प्रवर्तन एजेंसियों की कार्रवाई और चालानों का सामना करना पड़ रहा है। एसोसिएशन का कहना है कि यदि निलंबन आदेश प्रभावी है तो उसका पूरी तरह पालन सुनिश्चित कराया जाना चाहिए, ताकि ड्राइवरों को आर्थिक और कानूनी परेशानी से बचाया जा सके। कानूनी नोटिस में एसोसिएशन ने मांग की है कि 17 जून के निलंबन आदेश का तत्काल प्रभाव से पालन कराया जाए, चंडीगढ़ क्षेत्र में ओला ऐप के माध्यम से बुकिंग बंद कराई जाए, आदेश के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित कंपनी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए तथा निलंबन आदेश के पालन में किसी भी प्रशासनिक लापरवाही की जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि नोटिस मिलने के सात दिनों के भीतर संबंधित विभागों की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो वह पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट और अन्य सक्षम न्यायिक मंचों का रुख करेगा।

बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा से तोड़फोड़ की कोशिश निंदनीय - राजीव कुमार लवली

लुधियाना/यूटर्न/14 जुलाई। लुधियाना-जालंधर बाईपास स्थित संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के साथ कुछ शरारती तत्वों द्वारा तोड़फोड़ की कोशिश किए जाने की घटना

की अकाली दल वारिस पंजाब दे के विधानसभा क्षेत्र जगराओं के सेवादार राजीव कुमार लवली ने कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि इस घटना से लोगों में भारी रोष है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। राजीव लवली ने कहा कि मिली जानकारी के अनुसार कुछ शरारती तत्वों ने बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा के चारों ओर लगी शीशे की सुरक्षा बाउंड्री पर पत्थर मारकर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया तथा प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएंगी और यह समाज की भावनाओं को आहत करने वाली हरकत है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि घटना में शामिल आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुख्ता सुरक्षा प्रबंध किए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

Uturn Time 15 July 2026_Layout 2 14-07-2026 23:45 Page 3

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 06 रथयात्रा से पूर्व मंदिर परिसर में भगवान जगन्नाथ...

कारपोरेशन के बिल्डिंग इंस्पेक्टर दिलीप सोनी सस्पेंड, इंस्पेक्टर मक्कड़ पर अभी भी कार्रवाई अधूरी, क्या कमिश्नर लेगें एक्शन!

पूर्व कमिश्नर ने दोनों अफसरों पर अवैध निमार्णों को बढ़ाना देने पर कार्रवाई के दिए थे आदेश

लुधियाना/यूटर्न/14 जुलाई। लुधियाना नगर निगम में आए दिन अफसरों पर अवैध निर्माण कराने और एक्शन न लेने के आरोप लगते हैं। इन्हीं आरोपों के तहत लोकल बॉडी विभाग सेक्रेटरी द्वारा निगम जोन-सी बिल्डिंग इंस्पेक्टर दिलीप कुमार सोनी पर एक्शन लेते हुए उन्हें सस्पेंड कर दिया गया है। उन पर अवैध निर्माण कराने और शिकायतें आने पर अधिकारियों के आदेश होने के बावजूद कार्रवाई न करने के आरोप हैं। हालांकि इंस्पेक्टर दिलीप कुमार सोनी के साथ साथ निगम जोन-ए में तैनात इंस्पेक्टर हरमिंदर सिंह मक्कड़ पर भी इन्हीं आरोपों के तहत चार्जशीट दायर करने के आदेश हुए थे। लेकिन डेढ़ महीने बाद भी इंस्पेक्टर मक्कड़ पर चल रही कार्रवाई पूरी नहीं हो सकी है। पूर्व कमिश्नर डॉ. नीरू कत्याल का तबादला होने के कारण यह कार्रवाई बीच में ही लटक गई। अब सभी की आंखें मौजूदा कमिश्नर ओजस्वी पर हैं। देखना होगा कि क्या वे लोकल बॉडी सेक्रेटरी को सिफारिश कर एक्शन करवा पाते हैं या नहीं।

इंस्पेक्टर दिलीप कुमार सोनी

इंस्पेक्टर हरमिंदर सिंह मक्कड़

कार्रवाई करने की जगह अवैध इमारतें कंपाउंड पर दिया जोर

- इंस्पेक्टर दिलीप कुमार सोनी पर कई अवैध इमारतों को गलत कंपाउंड करने के आरोप लगे हैं। उन पर जोन-बी अधीन आते सुंदर नगर में बहु मंजिलीं बिल्डिंग निर्माण कराने के आरोप लगे। जोन-सी अधीन आती लोहा मार्केट में रमन स्टील फर्म की इमारत गलत कंपाउंड कर कमर्शियल इमारत बनवाई गई। वहीं ब्लॉक-21 के न्यू जनता नगर के रिहायशी एरिया में कमर्शियल इमारत कंपाउंड कर दी। लोहारा में एक स्कूल पर कार्रवाई की जगह चालान करके निर्माण कराया गया। दो साल से वे कार्रवाई भी अधूरी पड़ी है।

पूर्व कमिश्नर ने की थी सिफारिश

- लोहा मार्केट की रमन स्टील फर्म की गलत कंपाउंडिंग का मामला पूर्व कमिश्नर डॉ. नीरू कत्याल के पास पहुंचा था। तब उन्होंने एमटीपी, एटीपी व इंस्पेक्टर को बुलाकर झाड़ लगाई थी। जिसके बाद सुंदर नगर की बहु मंजिला इमारत का मामला सामने आया। वहीं दूसरी तरफ इंस्पेक्टर हरमिंदर मक्कड़ पर भी अवैध निर्माण को बढ़ावा देने के आरोप लगे। जिसके बाद कमिश्नर ने सोनी और मक्कड़ खिलाफ चार्जशीट दायर करने के आदेश दिए थे। लेकिन इन आदेशों के कुछ दिन बाद उनका तबादला हो गया। जिसके चलते अब करीब डेढ़ महीने बाद दोबारा कार्रवाई शुरू की गई। सस्पेंशन दौरान दिलीप सोनी का हेड क्वार्टर मोगा रहेगा।

ह्यूमन राइट्स को हुई थी शिकायत

सुंदर नगर बहु मंजिला बिल्डिंग निर्माण को लेकर विवाद खड़ा हुआ तो इंस्पेक्टर सोनी ने अपना तबादला नगर निगम सी जोन में करवा लिया था। इस मामले में शिकायत पंजाब ह्यूमन राइट्स कमिशन को हुई। जिसमें पूर्व कमिश्नर को नोटिस जारी हुआ। नोटिस के बाद बिल्डिंग पर कार्रवाई हुई। तबादले के बाद भी इंस्पेक्टर सोनी पर आरोप लगते रहे। जनकपुरी में भी पांच अवैध दुकानों का निर्माण हुआ। दुकानों को नोटिस जारी हुआ, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई।

लोकल बॉडी विभाग इंस्पेक्टर मक्कड़ पर करेगा कार्रवाई ?

पूर्व कमिश्नर की सिफारिश पर इंस्पेक्टर सोनी पर तो एक्शन हो गया, लेकिन इस बीच इंस्पेक्टर मक्कड़ पर एक्शन न लेने की चचाएँ छिड़ गई है। हालांकि दोनों अफसरों पर एक साथ कार्रवाई शुरू हुई थी। वहीं चर्चा है कि चार्जशीट करना एक तरह की खानापूर्ति है। इसमें अक्सर ही अफसरों का बचाव होता है। चार्जशीट के बाद एक्वायरी अफसर द्वारा संबंधित अधिकारी से चार्जशीट कर उन पर लगे आरोपों का जवाब मांगा जाता है। वह समय डालकर जवाब देते हैं। जिसके बाद फाइल बंद हो जाती है। लेकिन अगर ऐसे होगा तो शहर में अवैध निर्माण कैसे रुकेगें, इससे अफसरों को और बढ़ावा मिलेगा। जिसके चलते लोकल बॉडी सेक्रेटरी द्वारा सख्त एक्शन लेना जरुरी है।

पता होने के बावजूद नहीं लिया एक्शन

दरअसल, इंस्पेक्टर हरमिंदर सिंह मक्कड़ द्वारा जोन-ए में चार्ज लेते ही उन्हें पुरानी कोतवाली एरिया में बनी छह मंजिलां अवैध इमारत की शिकायत हुई, लेकिन दो बार मौके पर जाकर भी एक्शन नहीं लिया। बल्कि उसके सामने बनी अवैध इमारत निगम ने सील कर दी। फिर भदौड़ हाउस में होटल विक्रांत समेत चार होटल और शू मार्केट के पास होटल नीलकंठ पूरी तरह इललीगल होने पर भी कुछ कमरे सील किए। इसी तरह उनके अधीन आते ब्लॉक में अवैध इमारतें बनने और शिकायतों के बावजूद कार्रवाई न करने के आरोप लगे।

कार्रवाई न करने वाले अफसरों पर एक्शन जरुरी

भाजपा नेता और कारोबारी संजीव चौधरी का कहना है कि शहर में धड़ल्ले से अवैध निर्माण हो रहे हैं। अंदरुनी इलाकों में भी बड़ी-बड़ी इमारतें बन रही है। इंस्पेक्टर दिलीप कुमार और हरमिंदर मक्कड़ के ब्लॉक में कई इललीगल निर्माण हुए हैं। इन पर एक्शन होना जरुरी है। अगर आज निगम द्वारा कसूरवार अफसरों को बचाया तो कल को बाकी अफसर भी अवैध निर्माण कराने पर जोर देगें।

GST अपीलीय अधिकरण (GSTAT) में अपील दायर करने की समय-सीमा तय: वित्त मंत्रालय ने जारी की नई अधिसूचना, जानें क्या हैं नियम

लुधियाना/यूटर्न/14 जुलाई। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) ने केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (CGST) अधिनियम, 2017 के तहत एक महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी की है। 30 जून 2026 को जारी इस राजपत्र (Gazette of India) अधिसूचना संख्या का.आ. 3502 (अ.) के अनुसार, सरकार ने जीएसटी काउंसिल (GST Council) की सिफारिशों पर जीएसटी अपीलीय अधिकरण (GSTAT) के समक्ष अपील और आवेदन दायर करने की अंतिम तारीखों व नियमों को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है।

यह नई अधिसूचना पिछले साल 17 सितंबर 2025 को जारी की गई अधिसूचना संख्या का.आ. 4220 (अ.) का स्थान लेगी।

करन चावला, एडवोकेट

इस मामले पर देश के प्रतिष्ठित कानूनी विशेषज्ञ करण चावला, एडवोकेट ने विशेष बातचीत में बताया: वित्त मंत्रालय का यह फैसला करदाताओं और कानूनी सलाहकारों के लिए बहुत बड़ी राहत है। पुराने और नए लंबित मामलों में अपील दायर करने की समय-सीमा को लेकर जो भी संशय था, उसे इस अधिसूचना के जरिए पूरी तरह साफ कर दिया गया है। इससे करदाताओं को अपने मामलों को अपीलीय अधिकरण के समक्ष सही समय पर प्रस्तुत करने का एक अंतिम अवसर मिलेगा।

क्या हैं अपील और आवेदन के नए नियम? ...अधिसूचना के अनुसार, वित्त मंत्रालय ने 31 जुलाई 2026 को उस अंतिम तारीख के रूप में अधिसूचित किया है, जिस तारीख तक विशिष्ट मामलों में अपीलीय अधिकरण के सामने अपील या आवेदन दायर किए जा सकते हैं। इसके तहत मुख्य रूप से दो स्थितियां तय की गई हैं:

अपील दायर करने के संबंध में (धारा 112 की उप-धारा 1):

1 मई 2026 से पहले के मामले: जिन मामलों में आदेश करदाता को 1 मई 2026 से पहले सूचित (communicate) किया जा चुका है, उनके खिलाफ अपीलीय अधिकरण के समक्ष अपील दायर करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई 2026 होगी।

1 मई 2026 या उसके बाद के मामले: यदि कोई आदेश 1 मई 2026 को या उसके बाद सूचित किया गया है, तो उस आदेश के खिलाफ अपील, सूचना मिलने की तारीख से तीन महीने के भीतर ही दायर करनी होगी।

आवेदन दायर करने के संबंध में (धारा 112 की उप-धारा 3):

1 फरवरी 2026 से पहले के मामले: जिन मामलों में आदेश 1 फरवरी 2026 से पहले पारित (pass) किया जा चुका है, उनके संबंध में आवेदन 31 जुलाई 2026 तक दिए जा सकते हैं।

1 फरवरी 2026 या उसके बाद के मामले: 1 फरवरी 2026 को या उसके बाद पारित किए गए आदेशों के लिए, आदेश पारित होने की तारीख से छह महीने के भीतर ही अधिकरण के सामने आवेदन करना अनिवार्य होगा।

विशेषज्ञों की राय: समय रहते उठाएं कदम एडवोकेट करण चावला ने करदाताओं को सलाह देते हुए कहा कि चूंकि 31 जुलाई 2026 की समय-सीमा बेहद नजदीक है, इसलिए जिन भी व्यापारियों या करदाताओं के पुराने आदेश लंबित हैं, उन्हें बिना किसी देरी के अपने कानूनी दस्तावेजों को दुरुस्त कर लेना चाहिए। अंतिम समय की भागदौड़ से बचने के लिए नियमों के अनुसार ही अपनी अपील दाखिल करें, अन्यथा तय समय बीत जाने के बाद अपीलीय अधिकरण में अपील स्वीकार नहीं की जाएगी। यह अधिसूचना [F. No. A-50/7/2025-GSTAT-DoR] संयुक्त सचिव बालासुब्रह्मणियन कृष्णमूर्ति के हस्ताक्षरों के साथ जारी की गई है और इसे तुरंत प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

एनर्जी ड्रिंक बन रहे है बीमारियों का कारण, नाम के भरम से गुमराह हो रहे हैं युवा

अशोक सहगल
लुधियाना/यूटर्न/14 जुलाई। वर्तमान दौर में दुनिया भर में विभिन्न प्रकार के एनर्जी ड्रिंक चर्चा का विषय बने हुए हैं। कुछ देशों ने इस पर रोक लगा दी है तो कुछ ने चेतावनी छापने को कहा है। वहीं भारत में एनर्जी ड्रिंक का बाजार बहुत तेजी से फल-फूल रहा है। यह युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय है। इसके विज्ञापन का ऐसा असर है कि लोग इसे पीकर यह मान रहे हैं कि इसे पीने से थोड़ी चुस्ती आती है थोड़ी एनर्जी आ जाती है एनर्जी ड्रिंक कई कंपनियां बना रही हैं और विभिन्न ब्रांडों से बाजार में उपलब्ध है।

स्कूलों की कैंटिनों में लग चुकी है रोक

हालांकि एनर्जी ड्रिंक की बिक्री के लिए स्कूलों की कैंटिनो में रोक लग चुकी है महाराष्ट्र सरकार ने तो स्कूलों के 500 मीटर दायरे पर एनर्जी ड्रिंक की बिक्री पर रोक लगा दी है फिर भी इसका चोरी छुपे सेवन बरकरार है बाजार में तो यह सहज ही उपलब्ध है विशेषज्ञों का कहना है कि इसकी लत लग सकती है क्योंकि इसमें घातक रसायन हैं जो नशे की तरह काम करते हैं इसके सेवन के बाद बच्चों में नशे की प्रवृत्ति बढ़ सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार इसका अधिक सेवन हो सकता है जानलेवा

पहले एनर्जी ड्रिंक कैफिन युक्त आते थे वहीं अब बाजार में अल्कोहल कैफीन के मिश्रित पेय भी बाजार में उपलब्ध हैं। पंजाब सरकार की लैब द्वारा अभी तक लिए सैंपलों की जांच गम्भीरता से नहीं की गई और न ही सेहत विभाग द्वारा एनर्जी ड्रिंक के संबंध में कोई मुहिम शुरू की गई। सूत्रों के अनुसार कुछ सैंपल जांच के लिए चंडीगढ़ स्थित सरकारी लैब में भेजे गए थे।

कई देशों ने बनाए नियम

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार एनर्जी ड्रिंक के खतरों को देखते हुए कई देशों ने अलग-अलग नियम बनाए। रूस ने सन 2012 में इसे बैन कर दिया तो न्यूजीलैंड व आस्ट्रेलिया ने संयुक्त रूप से अपना फूड स्टैंडर्ड कोड बना कर ड्रिंक की केन पर लेबल लगाकर, अधिक सेवन न करने संबंधी चेतावनी लिखने को कहा। कई देशों ने इसे नशीले ड्रग की श्रेणी में रखा पर भारत में अभी तक न तो इस पर कोई कानून बना है और न ही सरकारी लैबों को अपग्रेड किया गया है।

क्या है एनर्जी ड्रिंक में

एनर्जी ड्रिंक में जिन तत्वों को पाया जाता है उनमें कैफीन, चीनी, ग्लुकोज, उत्तेजक दवा, कुछ विटामिन और अल्कोहल होता है। वैज्ञानिक इसके सेवन को घातक मानते हैं तो कार्पोरेट उद्योग इसे सुरक्षित पेय मानता है पर दुनिया भर में सामने आए नतीजों से कई देशों ने इससे अपना मुंह मोड़ने का फैसला कर लिया है। कई निमार्ता एनर्जी ड्रिंक में पाए गए तत्वों का सही उल्लेख तक नहीं करते हैं।

क्या कहते है विशेषज्ञ

पंचम अस्पताल के हृदय रोग विशेषज्ञ गोल्ड मेडलिस्ट डॉक्टर हरसिमरन सिंह ने बताया कि एनर्जी ड्रिंक में कैफीन चीनी की मात्रा काफी अधिक होती है जिससे कि निरंतर सेवन से इसकी आदत पड़ जाती है। उन्होंने कहा कि जो लोग पहले से मैडीकल सुपरविजन में हैं जैसे ब्लड प्रैशर, मधुमेह, थायराइड व हृदय रोगों आदि की दवा ले रहे हैं उन्हें एनर्जी ड्रिंक का का सेवन नहीं करना चाहिए, जिन्हें अधिक सेवन की आदत है उन्हें कई प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं, जिसमें सिरदर्द, माइग्रेन, घबराहट, उत्तेजना आदि की शामिल है। अल्कोहल युक्त कैफीन मिश्रित ड्रिंक हार्ट के लिए ठीक नहीं।

क्या हैं खतरे

विशेषज्ञों के अनुसार 2 से अधिक ड्रिंक लेने से यह सेहत के प्रति नुक्सानदायक हो सकता है। गर्भवती महिलाओं, बच्चे को दूध पिलाने वाली माताओं व 16 साल से कम उम्र के बच्चों को एनर्जी ड्रिक्स नहीं लेना चाहिए। अल्कोहल के साथ कैफीन मिश्रित ड्रिंक के बारे में माहिरों का कहना है कि यह बेहद घातक सिद्ध हो सकता है क्योंकि कैफीन उत्तेजक होती है और अल्कोहल डिप्रैसेंट, दोनों का असर एक-दूसरे से विपरीत है, जो दिल पर घातक असर करता है। इनका सेवन करने वाले व्यक्ति के व्यवहार में परिवर्तन, हिंसक होना, वजन कम होना तथा गर्भवती महिलाओं में गर्भपात व मृत्यु तक हो सकती है।

2021 बैच की आईपीएस अदिति सिंह ने पंचकूला की डीसीपी का कार्यभार संभाला

महिला सुरक्षा, कानून व्यवस्था और जनहितैषी पुलिसिंग को बताया सर्वोच्च प्राथमिकता

कपिल नागपाल
पंचकूला/यूटर्न/14 जुलाई। हरियाणा सरकार के हालिया तबादला आदेशों के तहत नियुक्त 2021 बैच की आईपीएस अधिकारी अदिति सिंह ने मंगलवार को पंचकूला की पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। सेक्टर-1 स्थित जिला सचिवालय में डीसीपी कार्यालय पहुंचने पर पुलिस अधिकारियों ने उनका स्वागत किया और पुलिस टुकड़ी ने उन्हें औपचारिक सलामी दी।

कार्यभार संभालने के बाद अदिति सिंह ने जिले के एसीपी और विभिन्न शाखाओं के प्रभारियों से परिचय प्राप्त किया तथा जिले की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और लंबित मामलों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावी पुलिसिंग और जनसेवा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद डीसीपी अदिति सिंह ने कहा कि पंचकूला में महिला सुरक्षा, मजबूत कानून व्यवस्था, अपराधों पर प्रभावी अंकुश और आमजन के लिए सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण वातावरण सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास को और मजबूत बनाने के लिए पारदर्शी, संवेदनशील और जवाबदेह कार्यप्रणाली अपनाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि किसी भी नागरिक को यदि कोई शिकायत, समस्या या सुझाव हो तो वह सीधे डीसीपी कार्यालय में संपर्क कर सकता है। प्रत्येक शिकायत पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मेरठ की रहने वाली हैं अदिति सिंह

2021 बैच की आईपीएस अधिकारी अदिति सिंह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मेरठ की निवासी हैं। पंचकूला में नियुक्ति से पहले वह स्टेट विजिलेंस एंड एंटी करप्शन ब्यूरो, गुरुग्राम रेंज में पुलिस अधीक्षक (एसपी) के पद पर कार्यरत थीं। अब पंचकूला पुलिस की कमान संभालने के साथ उनसे जिले में प्रभावी नेतृत्व, जनोन्मुखी पुलिसिंग और कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने की अपेक्षा की जा रही है।

तलाक से शादी खत्म होती है, पिता होने का रिश्ता नहीं

पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट का हालिया फैसला यह बताता है कि तलाकशुदा पत्नी से हुई संतान भी मृतक कर्मचारी की विधवा के साथ अनुकंपा के आधार पर मिलने वाली आर्थिक सहायता में बराबर हिस्से की हकदार है। यह फैसला सिर्फ सर्विस नियमों की व्याख्या नहीं है, बल्कि एक सीधी-सादी लेकिन अक्सर भुला दी जाने वाली सच्चाई को फिर से साबित करता है: तलाक से शादी खत्म होती है, माता-पिता होने का रिश्ता नहीं।

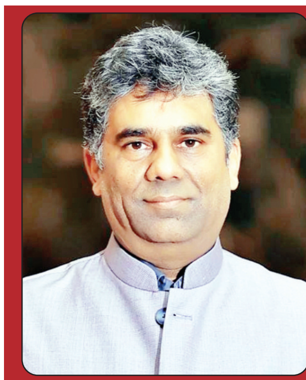

संदीप शर्मा, सम्पादक

पीढ़ियों से, कानूनी व्यवस्थाएं बच्चों के अधिकारों को बड़ों के झगड़ों से अलग करने के लिए संघर्ष करती रही हैं। अक्सर, वैवाहिक झगड़ों में बच्चे अनजाने में ही नुकसान का शिकार हो जाते हैं; उन्हें ऐसे फैसलों का नतीजा भुगतना पड़ता है जो न तो उन्होंने लिए थे और न ही जिन पर उनका कोई नियंत्रण था। कोर्ट का फैसला इस अन्याय को साफ तौर पर खारिज करता है। हरियाणा के नियम खुद इस सिद्धांत को मानते हैं। इन नियमों के अनुसार, अगर कोई सरकारी कर्मचारी अपने पीछे विधवा और तलाकशुदा पत्नी से हुई पात्र संतान को छोड़ जाता है, तो अनुकंपा के आधार पर मिलने वाली आर्थिक सहायता को बराबर-बराबर बांटा जाना चाहिए। हाई कोर्ट ने बस यह सुनिश्चित किया कि नियम को उसी तरह लागू किया जाए जैसा उसका मकसद था। यह फैसला इसलिए अहम है क्योंकि यह बातचीत का रुख वैवाहिक स्थिति से हटाकर माता-पिता की जिम्मेदारी की ओर ले जाता है। तलाक का आदेश साइन होने के दिन ही पिता की कानूनी और नैतिक जिम्मेदारियां खत्म नहीं हो जातीं। शादी टूटने के बावजूद बच्चे के साथ उसका रिश्ता बना रहता है। ऐसे बच्चे को लाभ से वंचित करना उन्हें उन हालात के लिए सजा देने जैसा होगा जिन पर उनका कोई बस नहीं है।

यह फैसला एक व्यापक संवैधानिक सोच को भी दर्शाता है। आधुनिक पारिवारिक कानून तेजी से यह मान रहा है कि माता-पिता के झगड़ों से कहीं ज्यादा जरूरी बच्चों का कल्याण है। चाहे कस्टडी, गुजारा-भत्ता या उत्तराधिकार का मामला हो, अदालतें लगातार परिवार के पुराने पदानुक्रम को मजबूत करने के बजाय बच्चों के हितों की रक्षा करने की दिशा में आगे बढ़ी हैं।

आलोचक यह तर्क दे सकते हैं कि विधवा और पहली शादी से हुई संतान के बीच लाभ बांटने से जीवित जीवनसाथी की आर्थिक सुरक्षा मुश्किल हो सकती है। लेकिन अनुकंपा के आधार पर मिलने वाली सहायता सिर्फ शादी के लिए इनाम नहीं है; यह मृतक कर्मचारी पर निर्भर लोगों की मदद के लिए होती है। बच्चा तब भी निर्भर ही रहता है, चाहे उसके माता-पिता शादीशुदा हों या नहीं। शायद इस फैसले का सबसे अहम पहलू इसका प्रतीकात्मक महत्व है। यह मानता है कि आज के परिवार पारंपरिक कानूनी श्रेणियों की तुलना में कहीं अधिक जटिल हैं। तलाक, पुनर्विवाह और मिश्रित परिवार सामाजिक सच्चाई हैं। कानून इन्हें नजरअंदाज नहीं कर सकता, और न ही माता-पिता के वैवाहिक इतिहास के आधार पर बच्चों को 'फर्स्ट-क्लास' और 'सेकंड-क्लास' का दर्जा दे सकता है।

इसका संदेश मानवीय और कानूनी रूप से सही है: शादी भले ही कोर्ट में खत्म हो जाए, लेकिन पिता होने का रिश्ता खत्म नहीं होता। माता-पिता की देखभाल और जहाँ कानून में प्रावधान हो, वहाँ आर्थिक सहायता पाने का बच्चे का अधिकार तलाक के आदेश से खत्म नहीं किया जा सकता। यह न केवल अच्छा कानून है, बल्कि सही न्याय भी है।

चंडीगढ़

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

05 बुधवार, 15 जुलाई 2026

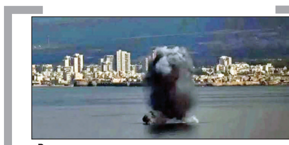

पेज 12 ईरान युद्ध में 15वें भारतीय नाविक की मौत...

मेयर सौरभ जोशी ने बुरैल और कजहेड़ी में चलाया विशेष स्वच्छता अभियान, लोगों से मांगा सहयोग

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जुलाई। शहर को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने के उद्देश्य से नगर निगम चंडीगढ़ ने सोमवार को बुरैल, सेक्टर-45, सेक्टर-52/53 और कजहेड़ी क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान का नेतृत्व मेयर सौरभ जोशी ने किया। इस दौरान पार्षद कंवरजीत सिंह और लखबीर सिंह भी मौजूद रहे।

स्वच्छता अभियान के तहत निगम की टीमों ने सड़कों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई, कूड़ा-कचरा हटाने, झाड़ू लगाने तथा कचरे के वैज्ञानिक तरीके से संग्रहण और निस्तारण का कार्य किया। नगर निगम के अनुसार, अभियान का उद्देश्य स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाना, सार्वजनिक स्थानों को साफ-सुथरा रखना और नागरिकों को स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर मेयर सौरभ जोशी ने कहा कि स्वच्छता केवल नगर निगम की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपने आसपास सफाई बनाए रखने और कचरे के उचित निस्तारण में सहयोग करने की अपील की। मेयर ने बताया कि शहर के सभी वार्डों में नियमित रूप से ऐसे विशेष स्वच्छता अभियान चलाए जाएंगे, ताकि सफाई व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सार्वजनिक स्थलों की नियमित निगरानी, समयबद्ध सफाई और स्वच्छता संबंधी शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। नगर निगम ने कहा कि लगातार चलाए जा रहे स्वच्छता अभियानों और नागरिकों की सहभागिता के माध्यम से चंडीगढ़ को और अधिक स्वच्छ, स्वस्थ और नागरिक-अनुकूल शहर बनाने की दिशा में प्रयास जारी रहेंगे।

भाजपा का 'स्वच्छता से स्वागत' अभियान महज दिखावा और राजनीतिक नौटंकी

शहर की असली समस्याओं से ध्यान भटकाने की कोशिश : एच.एस. लक्की

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जुलाई। चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एच.एस. लक्की ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित चंडीगढ़ दौरे से पहले भारतीय जनता पार्टी द्वारा सेक्टर-26 ग्रेन मार्केट में चलाए गए ₹स्वच्छता से स्वागत₹ अभियान को महज एक राजनीतिक दिखावा और नौटंकी करार दिया है।

एच.एस. लक्की ने कहा कि यदि भाजपा वास्तव में स्वच्छता के प्रति गंभीर होती तो केवल कैमरों के सामने झाड़ू लगाने की बजाय पूरे शहर की बदहाल सफाई व्यवस्था को सुधारने का प्रयास करती। सेक्टर-26 की सब्जी मंडी और उसके आसपास का क्षेत्र लंबे समय से गंदगी, कूड़े के ढेर और बदहाल सफाई व्यवस्था के लिए बदनाम है। इस स्थिति पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट तक कड़ी टिप्पणियाँ कर चुका है। ऐसे में केवल चुनिंदा स्थान पर फोटो खिंचवाने के लिए सफाई अभियान चलाना जनता की आंखों में धूल झोंकने जैसा है।

उन्होंने कहा कि शहरवासी आज भी वह घटना नहीं भूले हैं जब भाजपा नेताओं पर पहले स्वयं कूड़ा फैलाकर बाद में उसी स्थान पर सफाई अभियान चलाने के आरोप लगे थे।

बेहतरीन सेवाओं के लिए हेड कांस्टेबल नीरज कुमार को डीजीपी डिस्क से सम्मानित किया

लुधियाना/यूटर्न/14 जुलाई। ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और अपनी ईमानदार व कर्तव्यनिष्ठ सेवाओं के लिए ट्रैफिक पुलिस में तैनात हेड कांस्टेबल नीरज कुमार, जो सहायक मुंशी के पद पर कार्यरत हैं, को डीजीपी डिस्क देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान एडीसीपी ट्रैफिक गुरप्रीत कौर पुरेवाल ने प्रदान किया। इस दौरान एडीसीपी गुरप्रीत कौर पुरेवाल ने कहा कि पुलिस कर्मियों का समर्पण, अनुशासन और जनता के प्रति जिम्मेदारी की भावना ही पुलिस विभाग की पहचान है। उन्होंने हेड कांस्टेबल नीरज कुमार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी उत्कृष्ट सेवाएं अन्य कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं। बता दें कि हेड कांस्टेबल नीरज कुमार थाना मोती नगर, चौकी बस स्टैंड समेत कई थानों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। हेड कांस्टेबल नीरज कुमार ने इस सम्मान के लिए पंजाब पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और एडीसीपी ट्रैफिक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में भी पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपनी सेवाएं देने के लिए प्रेरित करेगा।

हाईकोर्ट से याचिका वापस, गुरप्रीत सिंह विर्क ही रहेंगे जीरकपुर नगर परिषद के प्रधान

जीरकपुर/यूटर्न/14 जुलाई। जीरकपुर नगर परिषद के प्रधान पद को लेकर चल रहा कानूनी विवाद फिलहाल समाप्त हो गया है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में प्रधान पद के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका वापस ले ली गई है। इसके साथ ही गुरप्रीत सिंह विर्क के नगर परिषद प्रधान बने रहने का रास्ता साफ हो गया है। याचिका वापस लिए जाने के बाद गुरप्रीत सिंह विर्क ने कहा कि अब उनकी पूरी प्राथमिकता जीरकपुर के विकास पर रहेगी। उन्होंने दावा किया कि शहर में विकास कार्य ₹रेलगाड़ी की रफ्तार से भी तेज₹ गति से कराए जाएंगे। उनका कहना है कि नगर परिषद लोगों से किए गए वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और शहर की मूलभूत सुविधाओं में तेजी से सुधार किया जाएगा। विर्क ने बताया कि शहर में सड़क, सीवरेज, पेयजल, सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट और ट्रैफिक प्रबंधन जैसे मुद्दों पर प्राथमिकता के आधार पर काम होगा। उन्होंने कहा कि नगर परिषद की पूरी टीम सभी वार्डों में समान रूप से विकास कार्य कराएगी ताकि लोगों को बेहतर नागरिक सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने शहरवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता के विश्वास पर खरा उतरना उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है और विकास कार्यों में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

बिल्डिंग प्लान मंजूरी में देरी पर सीआईसीयू सख्त, सरकार से मांगे बड़े सुधार

लुधियाना/यूटर्न/14 जुलाई। औद्योगिक एवं वाणिज्यिक उपक्रमों के चैंबर (सीआईसीयू) ने पंजाब सरकार से औद्योगिक भवन निर्माण योजनाओं की मंजूरी प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग की है। चैंबर का कहना है कि नई औद्योगिक एवं व्यापार विकास नीति-2026 लागू होने के बावजूद उद्योगों को कई विभागों की मंजूरी और अलग-अलग नियमों के कारण अनावश्यक देरी का सामना करना पड़ रहा है। सीआईसीयू अध्यक्ष उपकार सिंह आहूजा ने कहा कि वर्ष 2018 से पहले भवन योजनाओं की मंजूरी केवल फैक्ट्री विभाग से मिल जाती थी, लेकिन अब उद्योगों को दो अलग-अलग नियामक व्यवस्थाओं से अनुमति लेनी पड़ती है। इससे समय और लागत दोनों बढ़ रहे हैं। उन्होंने सरकार से दोबारा सिंगल-विंडो अप्रूवल सिस्टम लागू करने की मांग की, ताकि उद्योगों को एक ही जगह सभी मंजूरियां मिल सकें। चैंबर ने 11 जून 2026 को जारी नियमितीकरण नीति में भी संशोधन की मांग की है। सीआईसीयू का कहना है कि जिन उद्योगों ने नियमों के अनुसार निर्माण किया, लेकिन समय पर मंजूरी नहीं मिल सकी, और अक्टूबर 2023 के बाद स्थापित इकाइयों को भी इस नीति के दायरे में लाया जाना चाहिए। इसके अलावा अलग-अलग विभागों द्वारा वसूले जा रहे कंपाउंडिंग शुल्क पर भी सीआईसीयू ने सवाल उठाए हैं। चैंबर ने पूरे पंजाब में एक समान और तर्कसंगत शुल्क व्यवस्था लागू करने की मांग की है, ताकि उद्योगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े। उपकार सिंह आहूजा ने कहा कि यदि मंजूरी प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया जाता है तो इससे उद्योगों को राहत मिलेगी, निवेश बढ़ेगा, रोजगार के अवसर पैदा होंगे और पंजाब में व्यापार करना पहले से अधिक आसान हो जाएगा।

रथयात्रा से पूर्व मंदिर परिसर में भगवान जगन्नाथ जी का नेत्रोंत्सव धूमधाम से मनाया

भक्त के नेत्रों से भगवान के नेत्रो का हुआ मिलन

मनोज माटा/लुधियाना

भगवान जगन्नाथ जी की पारम्परिक रथयात्रा जगन्नाथ पुरम चन्दर नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर से 16जुलाई को बड़ी धूमधाम से निकाली जा रही है। रथयात्रा से पूर्व मंदिर परिसर में भगवान जगन्नाथ जी का नेत्रोंत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया।भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभ्रद, बहन सुभद्रा, सुदर्शन महाराज के साथ अणवसर गृह से बाहर आए और भक्तों के सन्मुख अपने नेत्र खोले और भक्त के नेत्रों से भगवान के नेत्रो का मिलन हुआ। जिसे नेत्रोत्सव कहा जाता है।रथयात्रा की तैयारियों को लेकर राजनीतिक,सामाजिक पार्टियों के प्रतिनिधियों को निमंत्रण पत्र दिए जा रहे हैं।इस कड़ी के उपलक्ष्य में जिला भाजपा बुद्धिजीवी सैल के अध्यक्ष उमेश मल्होत्रा,सुमित मल्होत्रा आदि को निमंत्रण पत्र दिया गया।विक्रम भुइयां ने बताया कि रथयात्रा जगन्नाथ मंदिर से दोपहर 1बजे आरंभ होकर दीप नगर,झण्डु चौंक, वृंदावन रोड,कैलाश सिनेमा, पुरानी

01 दिन शेष

कचहरी चौंक, श्री दण्डी स्वामी चौंक, किचलू नगर चौंक,भुरीवाला गुरुद्वारा आनंद नगर से होकर श्री गुण्डीचा मंदिर मे महाआरती के साथ संपन्न होगी।इस अवसर पर पंडित विष्णु चरण,सूरज कुमार ,विक्रम भुइयां,सतबीर लेकां, सचिन बेहरा,सुनील राऊतराय, ,अरूण परीजा,अभय बेहरा आदि उपस्थित रहे।

NRI के नाम पर 2.26 करोड़ का फर्जी इनकम टैक्स रिफंड लेने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड कर्नाटक से गिरफ्तार, 8 मामलें पहले से दर्ज

आरोपी नारियाल व्यापारी के साथ मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक.

पंचकूला/यूटर्न/14 जुलाई। पुलिस कमिश्नर पंकज नैन के निदेशानुसार साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और साइबर ठगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए साइबर क्राइम थाना टीम ने एनआरआई के इनकम टैक्स ई-फाइलिंग अकाउंट से करोड़ों रुपये का रिफंड निकालने वाले अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह के मुख्य आरोपी दलीप बी.आर. उर्फ दलीप राजगोड़ा को कर्नाटक से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को अदालत में पेश कर 8 दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया गया है। पुलिस अब आरोपी से गहन पूछताछ कर पूरे गिरोह, फर्जी बैंक खातों तथा ठगी की रकम के नेटवर्क का खुलासा करने में जुटी है। डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक अमरिंदर सिंह के अनुसार आरोपी के खिलाफ बेंगलुरु में इसी प्रकार के 8 मामले दर्ज हैं। जांच के दौरान आरोपी से जुड़े 9 बैंक खातों में करीब 13 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेनदेन का पता चला है। वर्ष 2025 में ईडी भी आरोपी को गिरफ्तार कर चुका था। जमानत पर बाहर आने के बाद आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदलकर पुलिस से बचने का प्रयास कर रहा था। आरोपी मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक. है और पूछताछ में उसने स्वयं को नारियल का व्यापारी बताया है।

यह मामला पंचकूला निवासी एनआरआई की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता पिछले लगभग 50 वर्षों से

यूनाइटेड किंगडम में रह रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2023-24 के लिए अपना आयकर रिटर्न विधिवत दाखिल किया था और उन्हें वैध रिफंड भी प्राप्त हो गया था। बाद में पता चला कि अज्ञात साइबर ठगों ने उनका ई-फाइलिंग अकाउंट हैक कर उसमें दर्ज ई-मेल, मोबाइल नंबर और बैंक विवरण बदल दिए तथा उनके नाम पर फर्जी संशोधित आयकर रिटर्न दाखिल कर करीब 2.26 करोड़ रुपये का अतिरिक्त आयकर रिफंड फर्जी बैंक खाते में ट्रांसफर करा लिया।

जांच के दौरान पुलिस भिन्न बैंकों और आयकर विभाग से प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ीं। जांच में सामने आया कि फर्जी बैंक खातों के माध्यम से रकम अलग-अलग कंपनियों के खातों में भेजी गई, जहां से कमीशन काटकर मुख्य आरोपियों तक नकदी पहुंचाई जाती थी।

इस मामले में पहले ही आरोपी कन्हैया लाल को गिरफ्तार किया जा चुका है। उसकी निशानदेही पर 5 लाख रुपये नकद भी बरामद किए गए थे। उसी आरोपी से मिली जानकारी और लगातार तकनीकी जांच के आधार पर साइबर थाना प्रभारी युद्धवीर सिंह की अगुवाई में टीम ने अब गिरोह के दूसरे मुख्य आरोपी दलीप बी.आर. उर्फ दलीप राजगोड़ा को गिरफ्तार किया है। यह मामला वर्ष 2024 में दर्ज हुआ था। मामलें की जांच सब इंस्पेक्टर भूप सिंह द्वारा की जा रही है।

गिरफ्तारी के समय आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन और एक लैपटॉप भी बरामद हुआ है, जिन्हें जांच के लिए पुलिस ने कब्जे में लिया है। मामले में अभी अन्य सह-आरोपियों की गिरफ्तारी बाकी है। उनकी तलाश के लिए पुलिस विभिन्न राज्यों में लगातार दबिश दी जा रही है।

पीएम मोदी की जींद रैली होगी ईको फ्रेंडली, पंचकूला के इंद्रधनुष सभागार में होगा सजीव प्रसारण - अजय मित्तल

पंचकूला/यूटर्न/14 जुलाई। आगामी 17 जुलाई को जींद के हुडा ग्राउंड में आयोजित होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'विकसित हरियाणा विकसित भारत' रैली का सजीव प्रसारण पंचकूला सेक्टर 5 स्थित इंद्रधनुष सभागार में सुबह नौ बजे से किया जायेगा। भाजपा जिला मुख्यालय पंचकमल में रैली की तैयारियों को लेकर जिला अध्यक्ष अजय मित्तल की अध्यक्षता में एक महत्त्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला प्रभारी रवि बतान, प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया, नगर महापौर श्याम लाल बंसल, रैली के पंचकूला जिला संयोजक एवं पूर्व स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता, पूर्व महापौर कुलभूषण गोयल, कालका नगर परिषद चेयरमैन कृष्ण लांबा, जिला महामंत्री भवनजीत सिंह सूदन, जय कौशिक सहित जिला पदाधिकारी, मंडल एवं मोर्चा अध्यक्ष, महामंत्री एवं पार्षद उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष अजय मित्तल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जींद रैली को पूरी तरह ह्रइको-फ्रेंडली रैलीह्व बनाया जाएगा। जिले के कार्यकर्ताओ एवं आम नागरिको को पंचकूला सेक्टर 5 के इंद्रधनुष सभागार में पहुंचाने के लिए इलेक्ट्रिक बसों, ईवी कार, ईवी रिक्शा की व्यवस्था की गयी है, साथ ही युवाओं की टोली साइकिल के माध्यम से वर्चुअल रैली में बड़ी संख्या में भाग लेगी। अजय मित्तल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को जींद से हरी झंडी दिखाकर राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जिसका सीधा प्रसारण भी दिखाया जाएगा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी का हरियाणा के साथ आत्मीय जुड़ाव एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रति विशेष स्नेह है। जींद की यह रैली प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

पत्नी और ससुरालियों की मानसिक प्रताड़ना से परेशान युवक ने नहर में छलांग लगा की खुदखुशी, पांच पर मामला दर्ज

लुधियाना/यूटर्न/14 जुलाई। डाबा के गुरु नानक नगर इलाके में शादी से पांच महीने बाद पत्नी व ससुराल वालों द्वारा मानसिक रुप से परेशान करने के चलते एक युवक ने गिल नहर में छलांग लगाकर सुसाइड कर लिया। युवक ने छलांग लगाने से पहले रोते हुए एक वीडियो बनाया। मृतक की पहचान गुरु नानक नगर के करनदीप (29) के रुप में हुई है।

थाना शिमलापुरी की पुलिस ने लाश को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने करनदीप के पिता राजा राम की शिकायत पर गुरबचन कॉलोनी की स्वाति, उसके बाप रामपाल, भाई दीपक, वीरेंद्र और वकील

साढू के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शिकायतकर्ता राजा राम ने बताया कि उनके बेटे करनदीप की शादी 20 फरवरी को स्वाति के साथ हुई थी। करनदीप लैब में टेस्टिंग का काम करता था। उन्होंने आरोप लगाया कि शादी के बाद स्वाति घरेलू काम में सहयोग नहीं करती थी। इस बात को लेकर करनदीप ने उसे कई बार समझाया। कुछ समय बाद स्वाति के पिता रामपाल, उसके भाई दीपक और वीरेंद्र तथा उसके एक साढ़ू, जो पेशे से वकील हैं, ने करनदीप के वैवाहिक जीवन में हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया।

ससुरालियों ने घर बुलाकर किया दुर्व्यवहार

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि सभी लोग मिलकर करनदीप को लगातार मानसिक रूप से परेशान कर रहे थे। कुछ दिन पहले स्वाति अपने मायके चली गई थी। जब करनदीप उसे वापस लेने गया तो ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया, जिससे वह काफी परेशान था। उसने मरने से पहले रोते हुए एक वीडियो बनाई और खुदखुशी कर ली।

पंजाबी लेखक, लुधियाना ने अश्विनी जेटली 'प्रेम' का गजल कलेक्शन 'इश्क कैनवस' लॉन्च किया

लुधियाना/यूटर्न/14 जुलाई। पंजाबी लेखक सभा, लुधियाना की एक जरूरी मीटिंग लुधियाना के पंजाबी भवन के डॉ. परमिंदर सिंह हॉल में हुई। मीटिंग की अध्यक्षता डॉ. गुरइकबाल सिंह ने की। इसमें एसोसिएशन के नियमों पर चर्चा हुई, जिसके बारे में आए लेखकों ने एसोसिएशन की बेहतरी के लिए सुझाव दिए। मीटिंग हर महीने के चौथे रविवार को सुबह 11 बजे करने का फैसला किया गया। इसके साथ ही यह भी तय किया गया कि हर मीटिंग में मौजूद लेखक किसी एक लेखक या एक किताब के बारे में बात करेंगे। इस मौके पर अश्विनी जेटली के गजल कलेक्शन 'इश्क कैनवस' को रिलीज करते हुए डॉ. गुरइकबाल सिंह ने कहा कि अश्विनी की गजलों में अगर प्यार की इंतहा है, तो बहुत सारा दुख, दर्द और पीड़ा भी है। प्यार में इंतजार और इंतजार का दर्द उनकी अंतरीव यादों का हिस्सा है। शायर के लिए इंतजार कभी-कभी टूटे सपनों की दुनिया बन जाता है तो कभी प्रकृति संग प्यार का केनवस।

पंजाब में किसानों ने छह घंटे सभी टोल करवाए फ्री, लैंड पूलिंग नीति का विरोध

लुधियाना/यूटर्न/14 जुलाई। पंजाब में किसानों ने अपनी मांगों को लेकर एक बार फिर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को किसानों ने लुधियाना स्थित पंजाब के सबसे महंगे टोल प्लाजा में शामिल लाडोवाल टोल प्लाजा समेत राज्यभर के सभी टोल प्लाजा को फ्री करवा दिया। इस दौरान सरकार के खिलाफ मुदार्बाद के नारे लगाए गए। इस दौरान सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक टोल फ्री रखा गया। किसान टोल प्लाजा पर धरने पर बैठ गए और आम जनता के वाहनों को बिना टोल टैक्स दिए गुजरने दिया गया। किसानों का यह विरोध मुख्य रूप से सरकार की ओर से लाई जा रही ह्यलैंड पूलिंग नीतिह्व के खिलाफ है। इसके अलावा, जमीन गिरवी रखने और लैंड मॉर्गेज बैंक से जुड़े कथित धोखाधड़ी के मामलों में भी किसान लंबे समय से न्याय की मांग कर रहे हैं। किसानों का यह भी कहना है कि प्रस्तावित भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौता कृषि क्षेत्र और स्थानीय किसानों के हितों के खिलाफ हो सकता है। इन्हीं मुद्दों को लेकर आज पंजाब के विभिन्न टोल प्लाजा पर किसानों ने बैठकें कीं और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

उपजाऊ जमीन कॉर्पोरेट घरानों को सौंपने की साजिश

इस बड़े प्रदर्शन की रूपरेखा पहले ही तैयार कर ली गई थी। गैर-राजनीतिक संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम गैर-राजनीतिक) के राष्ट्रीय संयोजक और भारतीय किसान यूनियन (एकता सिद्धूपुर) के अध्यक्ष जगजीत सिंह डल्लेवाल ने ऐलान किया था कि 14 जुलाई को पंजाब के सभी टोल प्लाजा को जनता के लिए टोल फ्री कर दिया जाएगा। डल्लेवाल ने सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पंजाब की उपजाऊ कृषि भूमि को हासिल कर बड़े कॉर्पोरेट घरानों को सौंपने की कोशिश की जा रही है। लैंड पूलिंग नीति इसी दिशा में उठाया गया कदम है, जिसे किसान किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेंगे।

107 छात्र बने भविष्य के लीडर्स, BCM आर्य में अलंकरण समारोह

लुधियाना/यूटर्न/14 जुलाई। बीसीएम आर्य मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, शास्त्री नगर में आयोजित 'अलंकरण समारोह-2026' में सीनियर और प्राइमरी विंग के 107 नव-निर्वाचित छात्र परिषद सदस्यों को औपचारिक रूप से नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी गई। पूरा समारोह अनुशासन, नेतृत्व और संस्कारों के संदेश से सराबोर रहा। कार्यक्रम में आर्य समाज ग्रुप ऑफ स्कूल्स के प्रधान राकेश जैन, मानद सचिव कैप्टन वी.के. सयाल, उपप्रधान व्यास बेम्बी, विनोद सहगल, डायरेक्टर डॉ. परमजीत कौर, ईवाई गुरुग्राम की निदेशक एवं विद्यालय की पूर्व छात्रा अनुप्रीत कौर तथा प्राचार्या डॉ. अनुजा कौशल विशेष रूप से उपस्थित रहे। दीप प्रज्ज्वलन के साथ समारोह की शुरूआत हुई।

सफाई कर्मियों की लंबित मांगों का जल्द हो समाधान : सुरिंदर कल्याण

डेराबस्सी/यूटर्न/14 जुलाई। पंजाब राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष सुरिंदर कल्याण ने मंगलवार को नगर परिषद डेराबस्सी के सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर कार्यसाधक अधिकारी रवनीत सिंह और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान और अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में सफाई कर्मचारियों की समयबद्ध

पदोन्नति, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लंबित फंड जारी करने तथा कर्मचारियों को साबुन, तेल और वर्दियां उपलब्ध करवाने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। सुरिंदर कल्याण ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सफाई कर्मचारियों की जायज मांगों का प्राथमिकता के आधार पर जल्द समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की पदोन्नति तय समय के भीतर सुनिश्चित की जानी चाहिए और किसी भी स्तर पर उनके साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंजाब राज्य सफाई कर्मचारी आयोग कर्मचारियों के हितों और कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। किसी भी सफाई कर्मचारी का शोषण या उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कोई भी कर्मचारी अपनी समस्या को लेकर बिना किसी झिझक के आयोग से संपर्क कर सकता है। नगर परिषद के कार्यसाधक अधिकारी रवनीत सिंह ने आयोग के उपाध्यक्ष को भरोसा दिलाया कि बैठक में दिए गए निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा और लंबित मामलों के निपटारे के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

‘SCAPEGOAT’ में सिद्धू मूसेवाला ने क्यों किया बीबी खालड़ा का जिक्र? फिल्म ‘सतलुज’ की चर्चा के बीच फिर सुर्खियों में आया गीत

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जुलाई। मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित दिलजीत दोसांझ की फिल्म ‘सतलुज’ को लेकर चल रही चर्चा के बीच दिवंगत पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला का गीत ‘SCAPEGOAT’ एक बार फिर सुर्खियों में है। फिल्म में जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन और उनके कार्यों पर फोकस किए जाने के बाद अब लोगों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि मूसेवाला ने अपने गीत में खालड़ा की पत्नी परमजीत कौर (बीबी खालड़ा) का उल्लेख क्यों किया था।

चुनावी हार के बाद रिलीज हुआ था गीत

साल 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में सिद्धू मूसेवाला ने कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में मानसा सीट से चुनाव लड़ा था। उन्हें आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार के हाथों 63 हजार से अधिक वोटों से हार का सामना करना पड़ा। चुनाव परिणाम आने के बाद उन्होंने ‘SCAPEGOAT’ गीत रिलीज किया, जिसमें उन्होंने चुनावी नतीजों और अपनी राजनीतिक सोच को गीत के माध्यम से व्यक्त किया। इसी चुनाव में बीबी खालड़ा ने भी पंजाबी एकता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में खडूर साहिब सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें भी हार मिली थी।

गीत में क्या कहा था?

गीत में सिद्धू मूसेवाला ने कहा था कि चुनाव में केवल उनकी ही हार नहीं हुई, बल्कि ऐसे लोगों को भी जनता ने नहीं चुना जिन्होंने समाज के लिए संघर्ष किया। गीत की एक पंक्ति में उन्होंने बीबी खालड़ा का नाम लेते हुए कहा कि ह्लदोहरे चरित्र वाले लोगों ने बीबी खालड़ा को भी हरा दिया।ह्व इस संदर्भ में उन्होंने अपने समर्थकों के साथ-साथ मतदाताओं के एक वर्ग के प्रति निराशा व्यक्त की थी। मूसेवाला का संदेश यह था कि जसवंत सिंह खालड़ा ने मानवाधिकारों के मुद्दे पर लंबा संघर्ष किया और उनके निधन के बाद भी बीबी खालड़ा ने न्याय और अधिकारों की लड़ाई जारी रखी, लेकिन उन्हें भी चुनाव में समर्थन नहीं मिल सका।

‘सतलुज’ फिल्म क्यों चर्चा में?

दिलजीत दोसांझ अभिनीत फिल्म ‘सतलुज’ जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन और पंजाब में कथित फर्जी मुठभेड़ों के मामलों को उजागर करने वाले उनके अभियान पर आधारित है। फिल्म को लंबी सेंसर प्रक्रिया के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया था, लेकिन भारत में रिलीज के कुछ समय बाद ही इस पर रोक लगा दी गई। इसी कारण फिल्म और उससे जुड़े ऐतिहासिक संदर्भों के साथ-साथ सिद्धू मूसेवाला का ‘SCAPEGOAT’ गीत भी एक बार फिर चर्चा का विषय बन गया है।

‘गद्दार’ शब्द को लेकर हुआ था विवाद

गीत के रिलीज होने के बाद इसमें इस्तेमाल किए गए ‘गद्दार’ शब्द को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। कुछ लोगों ने इसे चुनाव में उनका साथ न देने वाले मतदाताओं और राजनीतिक विरोधियों पर टिप्पणी के रूप में देखा, जबकि समर्थकों का कहना था कि यह गीत मूसेवाला की व्यक्तिगत राजनीतिक निराशा को दर्शाता है।

7 हजार रुपये रिश्वत लेते एएसआई गिरफ्तार, पत्नी से विवाद में पति से मांगी थी 10 हजार रिश्वत

पंजाब/यूटर्न/14 जुलाई। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने संगरूर में पुलिस लाइंस स्थित महिला थाना में तैनात एएसआई कमलजीत सिंह को 7 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ दबोचा है। आरोपी एएसआई के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो के पटियाला थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि यह कार्रवाई भवानीगढ़ के रहने वाले एक व्यक्ति की शिकायत पर की गई है। शिकायतकर्ता का अपनी पत्नी के साथ घरेलू विवाद चल रहा था, जिसकी शिकायत महिला थाना संगरूर में दर्ज थी। इस मामले की जांच एएसआई कमलजीत सिंह कर रहा था। आरोप है कि एएसआई ने केस का चालान अदालत में पेश करने के एवज में 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायतकर्ता आरोपी एएसआई को 3 हजार रुपये पहले ही दे चुका था। बाकी बचे 7 हजार रुपये देने के लिए एएसआई लगातार दबाव बना रहा था। रिश्वत की मांग से परेशान होकर पीड़ित ने विजिलेंस ब्यूरो से संपर्क किया और पूरी बात बताई। शिकायत मिलने के बाद विजिलेंस की टीम ने दावों की पुष्टि की और तुरंत जाल बिछाया। जैसे ही शिकायतकर्ता ने एएसआई कमलजीत सिंह को केमिकल लगे 7 हजार रुपये थमाए, तो विजिलेंस ने पकड़ लिया।

ढकोली रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज निर्माण की तैयारी तेज, तकनीकी सर्वे पूरा

800 मीटर लंबे आरओबी पर करीब 65 करोड़ रुपये होंगे खर्च, एनओसी के बाद शुरू होगी टेंडर प्रक्रिया

जीरकपुर/यूटर्न/14 जुलाई। ढकोली रेलवे फाटक पर लंबे समय से लगने वाले ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। उत्तर रेलवे ने प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के निर्माण के लिए विस्तृत तकनीकी सर्वे पूरा कर लिया है। इसके साथ ही वर्षों से लंबित इस परियोजना के जल्द शुरू होने की उम्मीद बढ़ गई है।

दिल्ली से पहुंचे वरिष्ठ अनुभाग अभियंता कमल किशोर के नेतृत्व में रेलवे अधिकारियों की टीम ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों के साथ मौके पर पैमाइश कर प्रस्तावित 800 मीटर लंबे ओवरब्रिज की व्यवहार्यता का आकलन किया। सर्वे के दौरान ड्राइंग का परीक्षण किया गया और निर्माण से जुड़े तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि पीडब्ल्यूडी और जिला प्रशासन से आवश्यक अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) मिलने के बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

सर्वे में पाया गया कि जीरकपुर की ओर पर्याप्त जगह उपलब्ध है, जबकि पीरमुछल्ला की तरफ सीमित स्थान होने के कारण डिजाइन में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे। प्रस्ताव के अनुसार एमएस एन्क्लेव की ओर से आने

वाले वाहनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ढकोली के पास से फ्लाईओवर पर चढ़ाया जाएगा, जबकि ढकोली की ओर जाने वाले वाहनों के लिए यू-टर्न की व्यवस्था की जाएगी, ताकि यातायात सुचारु बना रहे।

सर्वे के दौरान रेलवे फाटक आठ बार बंद होने से टीम को भी काम रोकना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग से प्रतिदिन करीब 50 ट्रेनों का आवागमन होने के कारण दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। केंद्र सरकार की अंब्रेला योजना के तहत करीब 65 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह ओवरब्रिज हजारों लोगों के लिए बड़ी राहत साबित होगा।

स्थानीय अधिकारियों की गैरहाजिरी पर उठे सवाल

यूनिफाइड रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधि सतीश शर्मा, विनोद शर्मा, मुकेश सैनी और के.आर. शर्मा ने तकनीकी सर्वे का स्वागत करते हुए कहा कि इससे परियोजना के जल्द शुरू होने की उम्मीद जगी है। हालांकि उन्होंने सर्वे के दौरान स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताई। उनका कहना था कि जनहित की इस महत्वपूर्ण परियोजना में सभी संबंधित विभागों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। मई।

हरियाणा सरकार का बड़ा फैसला, दिव्यांग छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए 50 लाख तक का लोन

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जुलाई। उच्च शिक्षा का सपना अब आर्थिक तंगी की वजह से अधूरा नहीं रहेगा। हरियाणा सरकार ने दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए 50 लाख रुपये तक की शिक्षा ऋण योजना शुरू की है। इस योजना का उद्देश्य दिव्यांग युवाओं को भारत और विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई का अवसर देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि हरियाणा पिछड़ा वर्ग तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग कल्याण निगम के माध्यम से पात्र विद्यार्थियों को व्यावसायिक और तकनीकी पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इस राशि का उपयोग ट्यूशन फीस, शैक्षणिक खर्च और पढ़ाई से जुड़े अन्य आवश्यक खर्चों के लिए किया जा सकेगा। योजना का लाभ केवल हरियाणा के स्थायी निवासी दिव्यांग विद्यार्थियों को मिलेगा। आवेदक की दिव्यांगता कम से कम 40 प्रतिशत होनी चाहिए। सामान्य श्रेणी के लिए आयु सीमा 18 से 55 वर्ष निर्धारित की गई है, जबकि मानसिक रूप से दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए न्यूनतम आयु 14 वर्ष रखी गई है। साथ ही, भारत या विदेश के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में प्रवेश होना अनिवार्य होगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि 15 लाख रुपये या उससे अधिक के ऋण के लिए यूडीआईडी (UDID) पंजीकरण भी जरूरी होगा। आवेदन के साथ आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र, प्रवेश पत्र, फीस विवरण और शैक्षणिक प्रमाण-पत्र जैसे आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे।

बेअदबी मामले में जमानत पर आए आरोपी का मर्डर, आधी रात घर में घुसकर हमलावरों ने की वारदात

पंजाब/यूटर्न/14 जुलाई। फतेहगढ़ साहिब में बेअदबी मामले में जमानत पर आए आरोपी की तेजधार हथियार से काटकर हत्या कर दी गई। नकाबपोश हमलावर आधी रात को घर में घुसे। जिसके बाद तेजधार हथियार से उस पर हमला कर दिया। इस दौरान व्यक्ति के चिल्लाने की आवाज सुनकर उसकी बेटी और पत्नी की आंख खुल गई। वह 7 महीने पहले ही जमानत पर जेल से छूटा था। बेटी ने कहा कि पिता के चीखने की आवाज सुनकर वे मौके पर गए तो हमलावरों ने हम पर अटैक कर दिया। उन्होंने कमरे के दरवाजे को कुंडी लगाकर जान बचाई। फिर पड़ोसियों को फोन कर बुलाया। उनके आने का पता चलते ही हमलावर दीवार फांदकर भाग निकले। इसके बाद पुलिस बुलाई गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस हत्या की वजह के बारे में पता चल रही है। मरने वाले का नाम मेवा सिंह है। वह मंडी गोबिंदगढ़ के गांव लाडपुर तूरां स्थित गुरुद्वारा साहिब में 6 साल पुराने बेअदबी केस का आरोपी था। वह जमानत पर जेल से छूटकर आया था।

डैडी चिल्ला रहे थे, मां और मेरी आंख खुली

मृतक की बेटी ने कहा- रात डैडी वॉशरूम के लिए कमरे से बाहर निकले। फिर उनकी चिल्लाने की आवाज आई। मेरी भी आंख खुल गई। मां भी उठ गई। हमने सुना कि डैडी चिल्ला रहे थे, मैनूं बचा लो, मैंनू मारता-मैनूं मारता (मुझे बचा लो, मुझे मार दिया, मुझे मार दिया)। बेटी ने आगे कहा- मैं और मम्मी बाहर निकले तो 2 आदमी बुरी तरह से डैडी को मार रहे थे। मैं और मम्मी जब डंडा लेकर डैडी को बचाने गए तो उन्होंने हम पर भी अटैक कर दिया। हमने कमरे का दरवाजा बंद कर दिया। फिर हमने पड़ोसियों को फोन किया।

थाईलैंड से लौटे परिवार के घर में चोरी, बिना ताला तोड़े नकदी और जेवर लेकर फरार हुए चोर

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जुलाई। मनीमाजरा में एक परिवार के विदेश दौरे से लौटने के बाद घर में चोरी का मामला सामने आया है। खास बात यह है कि घर के सभी ताले सुरक्षित मिले और कहीं भी जबरन प्रवेश या तोड़फोड़ के निशान नहीं मिले। ऐसे में पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि चोर घर के अंदर कैसे पहुंचे। पुलिस के अनुसार, मनीमाजरा निवासी अंजू सिंगला ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह 30 जून को अपने परिवार के साथ थाईलैंड घूमने गई थीं। परिवार 10 जुलाई की रात वापस लौटा। अगले दिन घर का सामान देखने पर अलमारी से नकदी और कीमती सामान गायब मिला।

शिकायत के मुताबिक, घर से करीब 50 हजार रुपये नकद, चार ग्राम की सोने की अंगूठी, आधा ग्राम का सोने का लॉकेट, चांदी का एक गिलास, एक चांदी की कटोरी और 14-15 चांदी के सिक्के चोरी हो गए। घटना की सूचना मिलने पर मनीमाजरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में घर के सभी ताले सही पाए गए तथा कहीं भी जबरन घुसने के संकेत नहीं मिले। इस वजह से पुलिस चोरी के तरीके और संभावित संदिग्धों के बारे में विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। जांच के तहत आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सुरागों के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल मामला दर्ज कर जांच जारी है।

रूह से रूबरू

चारु नागपाल

कबिरा विषधर बहु मिले मणिधर मिला न कोए।

संत कबीरदास जी ने अपने दोहों के माध्यम से समाज को सत्य, प्रेम और सदाचार का संदेश दिया है। उनका यह कथन

कबिरा विषधर बहु मिले
मणिधर मिला न कोए।

मनुष्य के व्यवहार और संगति के महत्व को समझाता है। इस विचार का अर्थ है कि संसार में ऐसे अनेक लोग मिलते हैं जिनके विचार और व्यवहार विष के समान हानिकारक होते हैं। वे दूसरों को दुख पहुँचाते हैं, ईर्ष्या करते हैं और गलत मार्ग पर ले जाने का प्रयास करते हैं पर किसी के पास भी गुणों की मणि नहीं होती बस वे विष ही बाँटना जानते हैं। कबीरदास जी कहते हैं कि हमें ऐसे लोगों से सावधान रहना चाहिए और अपनी सोच को सकारात्मक बनाए रखना चाहिए। जिस प्रकार विषधर साँप से दूरी बनाकर रहना आवश्यक होता है, उसी प्रकार बुरे विचारों और बुरी संगति से भी बचना चाहिए।

मनुष्य की पहचान उसके अच्छे कर्मों, विनम्रता और सच्चाई से होती है। कबीर का यह संदेश आज भी उतना ही उपयोगी है। वर्तमान समय में जब लोग कई प्रकार के प्रभावों से घिरे रहते हैं, तब सही और गलत में अंतर समझना आवश्यक है। हमें अच्छे लोगों की संगति अपनानी चाहिए और प्रेम, दया तथा मानवता के मार्ग पर चलना चाहिए। यही कबीर की शिक्षाओं का सार है।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

WhatsApp पर भेजा गया Legal Notice मान्य होता है क्या?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

आज के समय में कई लोग WhatsApp के माध्यम से Legal Notice भेजने लगे हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या WhatsApp पर भेजा गया Legal Notice कानून की नजर में मान्य होता है?

उत्तर - कुछ परिस्थितियों में हाँ। यदि किसी व्यक्ति को WhatsApp पर Notice भेजा गया है और यह साबित हो जाता है कि उसने उसे प्राप्त (Receive) कर लिया या पढ़ लिया, तो कई मामलों में Court इसे Notice की सेवा (Service of Notice) के रूप में स्वीकार कर सकती है।

हालांकि, यह हर मामले में लागू नहीं होता। कुछ मामलों में कानून विशेष तरीके से Notice भेजने की शर्त रखता है। इसलिए केवल WhatsApp पर Notice भेज देना हमेशा पर्याप्त नहीं होता। व्यवहार में वकील अक्सर Registered Post, Speed Post, Courier और WhatsApp जैसे एक से अधिक माध्यमों का उपयोग करते हैं, ताकि बाद में Notice भेजने को लेकर कोई विवाद न हो।

यदि आपको WhatsApp पर कोई Legal Notice मिले, तो उसे नजरअंदाज न करें। बिना पढ़े Delete करना या Reply न देना कई बार आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। ऐसी स्थिति में पहले Notice को ध्यान से पढ़ें और आवश्यकता होने पर किसी वकील से कानूनी सलाह लें।

निष्कर्ष: WhatsApp पर भेजा गया Legal Notice कुछ मामलों में मान्य हो सकता है, लेकिन यह हर स्थिति में पर्याप्त नहीं होता। यदि ऐसा Notice मिले, तो उसे गंभीरता से लें और समय पर उचित कदम उठाएं।

जीएचजी अकादमी के मेधावियों ने जानी गौरवशाली विरासत

'हेरिटेज वॉक' के जरिए गुरुद्वारा मेहतियाना साहिब में सीखा त्याग और सेवा का पाठ

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/14/जुलाई। जीएचजी अकादमी, जगरांव के मेधावी विद्यार्थियों ने आज अपनी जड़ों की ओर एक सार्थक कदम बढ़ाया। अकादमी द्वारा 'पीरियॉडिक टेस्ट-क' में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए एक विशेष 'हेरिटेज वॉक' का आयोजन किया गया, जिसके तहत छात्रों ने ऐतिहासिक 'गुरुद्वारा मेहतियाना साहिब' का दौरा किया।

ज्ञानवर्धक रहा शैक्षणिक अनुभव

इस 'हेरिटेज वॉक' ने कक्षा के चार-दीवारी से बाहर निकलकर सीखने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान किया। अपनी संस्कृति और धर्म से जुड़ी इन ऐतिहासिक जानकारियों ने विद्यार्थियों में गर्व और सम्मान की भावना जागृत की। इस प्रेरणादायक भ्रमण के बाद छात्र न केवल नई सीख लेकर लौटे, बल्कि उनमें अपनी विरासत को संजोने का उत्साह भी देखने को मिला। अकादमी प्रबंधन ने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ नैतिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त बनाना है।

बलिदान और भक्ति का मिला संदेश...यात्रा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उन महान मूल्यों से जोड़ना था जिन पर सिख धर्म की नींव टिकी है। छात्रों ने गुरुओं और शहीदों द्वारा धर्म की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदानों के बारे में जाना। यहाँ बिताए समय ने विद्यार्थियों के भीतर साहस, निस्वार्थ सेवा (सेवा भाव) और अटूट भक्ति जैसे जीवन मूल्यों को और अधिक मजबूती दी।

इतिहास के पन्नों से रूबरू हुए छात्र

गुरुद्वारा मेहतियाना साहिब में मौजूद जीवंत मूर्तिकला और विशेष प्रदर्शनी ने छात्रों का मन मोह लिया। इन प्रदर्शनियों के माध्यम से छात्रों ने सिख गुरुओं के जीवन की गौरवमयी घटनाओं और सिख धर्म के महान इतिहास को करीब से महसूस किया। विद्यार्थियों ने न केवल अपनी सांस्कृतिक विरासत को देखा, बल्कि उसे गहराई से समझा भी।

चंडीगढ़-नोएडा हवाई कनेक्टिविटी को मिली मजबूती, इंडिगो ने शुरू की दूसरी डायरेक्ट फ्लाइट

सोमवार और मंगलवार को मिलेगी अतिरिक्त उड़ान, ट्राईसिटी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के यात्रियों को होगा फायदा

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जुलाई। चंडीगढ़ और नोएडा (जेवर) के बीच हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए राहतभरी खबर है। इंडिगो ने दोनों शहरों के बीच दूसरी सीधी उड़ान सेवा शुरू कर दी है। यह अतिरिक्त फ्लाइट प्रत्येक सोमवार और मंगलवार को संचालित होगी, जिससे यात्रियों को यात्रा के लिए अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे।

एयरलाइन पहले से ही दोनों शहरों के बीच प्रतिदिन एक नियमित सीधी उड़ान का संचालन कर रही है। नई सेवा शुरू होने के बाद अब सप्ताह की शुरुआत में यात्रा करने वाले यात्रियों को अधिक सुविधा मिलेगी। नई उड़ान के अनुसार, विमान सोमवार और मंगलवार को सुबह 9:55 बजे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) से उड़ान भरकर 10:55 बजे चंडीगढ़ पहुंचेगा। वापसी में

विमान दोपहर 12:20 बजे चंडीगढ़ से रवाना होकर 1:35 बजे नोएडा पहुंचेगा। करीब एक घंटे की यह उड़ान सड़क मार्ग की लंबी यात्रा की तुलना में समय की काफी बचत करेगी।

इसके अलावा एयरलाइन की नियमित दैनिक उड़ान पहले की तरह जारी रहेगी। यह फ्लाइट रोज सुबह 6:10 बजे नोएडा से उड़ान भरकर 7:10 बजे चंडीगढ़ पहुंचती है, जबकि वापसी में सुबह 7:30 बजे चंडीगढ़ से रवाना होकर 8:35 बजे नोएडा पहुंचती है।

नई उड़ान सेवा का लाभ चंडीगढ़, मोहाली और पंचकूला के अलावा नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के यात्रियों को मिलेगा। इससे व्यापारियों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और पर्यटकों के लिए दोनों शहरों के बीच आवागमन अधिक सुविधाजनक होगा। एविएशन क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों का मानना है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को देश के प्रमुख हवाई केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। ऐसे में चंडीगढ़ से सीधी अतिरिक्त उड़ान शुरू होने से क्षेत्रीय हवाई संपर्क को मजबूती मिलेगी और ट्राईसिटी के यात्रियों की दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर निर्भरता भी कुछ हद तक कम होगी।

17 जुलाई को हरियाणा में विकास का मेगा धमाका, पीएम मोदी दिखाएंगे पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 17 जुलाई का हरियाणा दौरा प्रदेश के विकास को नई रफ्तार देने वाला माना जा रहा है। जींद में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का

शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। सबसे खास आकर्षण देश की पहली हाइड्रोजन आधारित ट्रेन होगी, जिसे प्रधानमंत्री हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने गोहाना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि जींद से गोहाना होते हुए सोनीपत तक चलने वाली हाइड्रोजन ट्रेन हरियाणा के लिए गर्व का विषय है। यह परियोजना स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक परिवहन व्यवस्था की दिशा में भारत का बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के साथ इको-फ्रेंडली रैली भी आयोजित होगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाएगा।

प्रस्तावित वीवीआईपी दौरे की तैयारियों की आयुक्त अमित कुमार ने की समीक्षा, लंबित कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जुलाई। प्रस्तावित वीवीआईपी दौरे को लेकर नगर निगम आयुक्त अमित कुमार (आईएएस) ने मंगलवार को चंडीगढ़ प्रशासन और नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में शहर में चल रहे नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए सभी लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान आयुक्त ने सड़क मरम्मत, सफाई व्यवस्था, बागवानी, स्ट्रीट लाइट, ड्रेनेज, पेयजल आपूर्ति, सीवरेज, पार्कों, ग्रीन बेल्ट और अन्य नागरिक बुनियादी सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रस्तावित दौरे से पहले सभी स्थानों को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाया जाए। अमित कुमार ने विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय, नियमित फील्ड निरीक्षण और समस्याओं के त्वरित समाधान पर भी जोर दिया। उन्होंने बल्क वेस्ट जनरेटर (बीडब्ल्यूजी) के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के प्रभावी पालन के निर्देश देते हुए स्रोत स्तर पर कचरे के पृथक्करण और वैज्ञानिक तरीके से उसके निस्तारण को सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने, अनधिकृत कूड़ा स्थलों को साफ कराने, पेयजल एवं अन्य सार्वजनिक सेवाओं को निर्बाध बनाए रखने तथा शहर की सड़कों, गोलचक्करों और सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए।

बैठक में इंजीनियरिंग, हॉर्टिकल्चर, पब्लिक हेल्थ, सैनिटेशन, फायर एंड रेस्क्यू सर्विसेज, इलेक्ट्रिकल, आर्किटेक्चर, मैकेनिकल, प्रवर्तन, जनसंपर्क सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। आयुक्त ने कहा कि प्रस्तावित वीवीआईपी दौरे के दौरान चंडीगढ़ की स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं का सर्वोत्तम स्वरूप प्रस्तुत करने के लिए सभी विभाग समर्पित भाव से कार्य करें।

चंडीगढ़ में गोमांस बरामदगी के मामलों की दोबारा जांच की मांग, महंत मनोज शर्मा ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

सभी मामलों की निष्पक्ष समीक्षा और संभावित संगठित आपराधिक नेटवर्क की जांच कराने का किया अनुरोध

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जुलाई। विश्व हिंदू परिषद चंडीगढ़ (पंजाब प्रांत) के पूर्व सोशल मीडिया प्रभारी एवं समाजसेवी महंत मनोज शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर चंडीगढ़ में समय-समय पर सामने आए गोमांस बरामदगी के मामलों की उच्चस्तरीय, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराने की मांग की है। उन्होंने इस पत्र की प्रति केंद्रीय गृह मंत्री को भी भेजी है। महंत मनोज शर्मा ने पत्र में आग्रह किया है कि अब तक सामने आए सभी मामलों की समीक्षा कर यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक मामले की जांच अपने तार्किक निष्कर्ष तक पहुंची थी या नहीं। उन्होंने कहा कि यदि किसी मामले की जांच अधूरी रह गई हो तो उसे दोबारा शुरू कर निष्पक्ष एवं गहन जांच कराई जानी चाहिए, ताकि सभी तथ्य सामने आ सकें। उन्होंने यह भी मांग की है कि सक्षम केंद्रीय जांच एजेंसियां इस पहलू की भी जांच करें कि कहीं इन मामलों के पीछे कोई संगठित आपराधिक नेटवर्क तो सक्रिय नहीं है। उनके अनुसार यह भी जांच का विषय होना चाहिए कि क्या गो-तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी, गैंगस्टर गतिविधियों या आतंकवाद के वित्तपोषण के बीच किसी प्रकार का संबंध है।

चंडीगढ़ में चोरी का अनोखा मामला: टीनशेड तोड़कर 15 सूअर-मुर्गियां और दो गैस सिलेंडर ले उड़े चोर

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जुलाई। चंडीगढ़ में चोरी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पुलिस के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी हैरान कर दिया।

आमतौर पर चोर नकदी, जेवर या महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामान को निशाना बनाते हैं, लेकिन इस बार चोरों ने 15 जीवित पशु-पक्षियों और दो एलपीजी गैस सिलेंडरों पर हाथ साफ कर दिया। घटना इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1 स्थित एक सार्वजनिक परिसर की है। जानकारी के अनुसार,

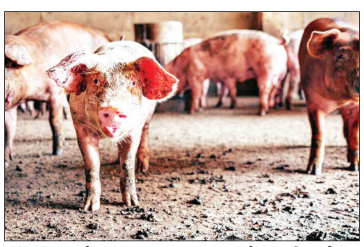

रविवार देर रात अज्ञात चोर टीनशेड तोड़कर परिसर में घुस गए।

यहां से वे आठ सूअर, सात मुर्गियां और दो एलपीजी गैस सिलेंडर चोरी कर ले गए। सोमवार सुबह जब कर्मचारी मौके पर

पहुंचे तो टीनशेड टूटा हुआ मिला और अंदर रखे पशु-पक्षी व गैस सिलेंडर गायब थे।

कर्मचारियों ने पहले अपने स्तर पर आसपास तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद मामले की सूचना इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1 थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आसपास कई सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, लेकिन जिस परिसर में चोरी हुई वहां कोई कैमरा नहीं था। पुलिस अब आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

पुलिस का मानना है कि एक साथ आठ सूअर और सात मुर्गियां चोरी कर ले जाने के लिए आरोपियों ने किसी वाहन का इस्तेमाल किया होगा। इसी आधार पर पुलिस आसपास से गुजरने वाले संदिग्ध वाहनों की भी जांच कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चंडीगढ़ में इस तरह की चोरी का यह शायद पहला मामला है, जहां चोरों ने नकदी या कीमती सामान के बजाय पशुओं और गैस सिलेंडरों को निशाना बनाया। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

सफाई कर्मचारियों का आर-पार का संघर्ष

लुधियाना की टीम ने बढ़ाया हौसला

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/14/जुलाई। सफाई सेवक यूनियन पंजाब के आह्वान पर नगर निगम कर्मियों की लंबित मांगों को लेकर चल रही अनिश्चितकालीन हड़ताल सातवें दिन भी पूरी मजबूती के साथ जारी रही। जगरांव नगर परिषद में जिला प्रधान अरुण गिल की अगुवाई में चल रहे इस आंदोलन को उस समय एक नई ऊर्जा मिली, जब लुधियाना से मिंकल विरला, सोहनवीर रनिया, विकास तलवार, विक्की विरला और आयुष डिलो की टीम ने विशेष रूप से पहुँचकर अपना समर्थन दिया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि यह लड़ाई किसी एक शहर या यूनियन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर मेहनतकश कर्मचारी के स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा का संघर्ष है। उन्होंने कहा कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर कर्मचारियों के हक में खड़ा होना ही आज की सामाजिक जिम्मेदारी है। जिला प्रधान अरुण गिल ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि पंजाब सरकार कर्मचारियों की जायज मांगों को नजरअंदाज करने की भारी कीमत चुकाएगी। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी अब किसी भी खोखले आश्वासन में आने वाले नहीं हैं। यदि सरकार ने जल्द ही ठोस समाधान नहीं निकाला, तो संघर्ष को और अधिक उग्र और व्यापक रूप दिया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। प्रदर्शनकारियों ने एक सुर में ‘हक नहीं तो काम नहीं’ का संकल्प दोहराया। इस दौरान प्रदीप कुमार, राजिंदर कुमार, सनी सुंदर, सुरजीत सिंह भागा, भूषण गिल सहित विभिन्न यूनियनों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोतवाली पुलिस ने नकदी छीनकर भागने वाले दो आरोपी गिरफ्तार किए

सोनू टुटेजा

बठिंडा/यूटर्न/14 जुलाई। कोतवाली पुलिस ने एटीएम में धोखाधड़ी कर एक व्यक्ति से नकदी छीनकर भागने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डीएसपी अमृतपाल सिंह ने बताया कि 7 जुलाई की रात पत्थर का काम करने वाले दो प्रवासी मजदूर एटीएम में पैसे जमा करवाने गए थे। इस दौरान दो आरोपी पहले से ही वहां मौजूद थे। आरोपियों ने एटीएम खराब होने का बहाना बनाकर पीड़ितों से 20 हजार रुपये नकद ले लिए। हालांकि, उन्होंने राशि खाते में जमा नहीं करवाई और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के बाद आरोपियों की पहचान प्रभजोत सिंह और विक्की सिंह, निवासी बठिंडा, के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 17 हजार रुपये नकद और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

'गुरमत नाम सेवा सोसाइटी' की अनूठी पहल

साप्ताहिक समागमों से निहाल हो रही संगत

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/14/जुलाई। आध्यात्मिक शांति और गुरुवाणी के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से क्षेत्र की सबसे पुरानी धार्मिक संस्था 'गुरमत नाम सेवा सोसाइटी' ने साप्ताहिक गुरमत समागमों की एक विशेष श्रृंखला शुरू की है। हर रविवार आयोजित होने वाले इन समागमों के माध्यम से संस्था संगतों को 'संगति' में बैठकर कीर्तन सुनने और उसका आनंद लेने के लिए प्रेरित कर रही है।

संगत में कीर्तन सुनने का है अलग आनंद

संस्था के संरक्षक भाई लछमण सिंह, अध्यक्ष राजिंदर पाल सिंह मक्कड़ और सुखविंदर सिंह ने बताया कि आधुनिक युग में हम घर बैठे तकनीक के जरिए कथा-कीर्तन सुन तो लेते हैं, लेकिन मन का ध्यान अक्सर भटक जाता है। उन्होंने कहा, ‘संगति में बैठकर जब हम सामूहिक रूप से कीर्तन सुनते हैं, तो मन एकाग्र रहता है और रूहानी सुकून मिलता है। यही हमारे समागमों का मुख्य उद्देश्य है।

पूरी तरह नि:शुल्क, सेवा ही आधार: सोसाइटी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इन आयोजनों के लिए संस्था द्वारा कोई भी भेंट (शुल्क) नहीं ली जाती। सोसाइटी के अपने कीर्तनी जत्थे पूरी निष्काम भावना से सेवा करते हैं। समागमों के समापन पर गुरु का अटूट लंगर भी बरताया जाता है।

विशेष सम्मान...इस कड़ी में आयोजित हालिया समागम में सेवा भाव को समर्पित करते हुए, संस्था द्वारा गुरुद्वारा साहिब के हेड ग्रंथी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

समागम के लिए संपर्क करें...संस्था के पदाधिकारियों ने क्षेत्र की संगतों से अपील की है कि यदि वे अपने क्षेत्रों या गुरुघरों में ऐसे धार्मिक समागम आयोजित करवाना चाहते हैं, तो वे बेझिझक सोसाइटी के सदस्यों से संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

भाजपा को मिला नया जनाधार, विभिन्न सामाजिक वर्गों के प्रमुख नेता पार्टी में शामिल

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी ने अपने संगठनात्मक विस्तार को आगे बढ़ाते हुए विभिन्न सामाजिक वर्गों के प्रमुख प्रतिनिधियों को पार्टी से जोड़ा। पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों की मौजूदगी में हिंदुस्तानी पसमांदा मुस्लिम समाज के प्रमुख बाबाजी राजा चिश्ती तथा न्यूजीलैंड साउथ एनआरआई कम्युनिटी के अध्यक्ष मलकीत सिंह ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता रीना गोयल जैन और संजीव पुरी ने दोनों नेताओं का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा की जनहितकारी नीतियों और विकास के एजेंडे से प्रभावित होकर विभिन्न वर्गों के लोग लगातार पार्टी से जुड़ रहे हैं। पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने कहा कि पार्टी सभी वर्गों को साथ लेकर चलने और समाज के हर तबके को समान अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है।

फिटनेस और बोल्ड लुक से छाईं श्रद्धा कपूर

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर एक बार फिर अपने फिटनेस और स्टाइलिश अंदाज को लेकर सोशल मीडिया पर सुर्खियों में हैं। हाल ही में सामने आई उनकी तस्वीरों में वह रेड आउटफिट में बेहद फिट और कॉन्फिडेंट नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का टोंड फिजीक और ग्लैमरस लुक फैंस को खूब पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया पर यूजर्स श्रद्धा की फिटनेस, स्टाइल और कॉन्फिडेंस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। कई फैंस ने उन्हें 'फिटनेस क्वीन' और 'नेचुरल ब्यूटी' तक बताया। श्रद्धा अक्सर अपनी हेल्दी लाइफस्टाइल और फिटनेस रूटीन को लेकर चर्चा में रहती हैं, और इस बार भी उनका नया लुक इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है।

ईरान युद्ध में 15वें भारतीय नाविक की मौत, खाड़ी क्षेत्र और खतरनाक हुआ

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जुलाई। ईरान युद्ध के बढ़ने से एक और भारतीय की जान चली गई है। होर्मुज जलडमरूमध्य में यूएई के दो तेल टैंकरों पर मिसाइल हमले में एक भारतीय नाविक मारा गया। यह घटना दुनिया के सबसे व्यस्त शिपिंग रास्तों में से एक पर काम करने वाले मर्चेंट नेवी कर्मचारियों के लिए बढ़ते खतरों को उजागर करती है। यह ताजा घटनाक्रम ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच तनाव बढ़ने के बाद कमर्शियल जहाजों पर हुए हमलों की एक श्रृंखला के बीच हुआ है। जो समुद्री रास्ता कभी बहुत जोखिम वाला माना जाता था, वह अब एक सक्रिय संघर्ष क्षेत्र बन गया है, जिससे आम नागरिकों वाले जहाज और उनके अलग-अलग देशों के क्रू सदस्य बार-बार मिसाइल और ड्रोन हमलों का शिकार हो रहे हैं। ताजा हमले में निशाना बनाए गए दो अमीराती टैंकरों में से एक पर मौजूद क्रू में वह भारतीय नाविक भी शामिल था। हमले के कारण जहाज पर विस्फोट और आग लग गई, जिससे कई अन्य लोग घायल हो गए और आपातकालीन बचाव अभियान शुरू करना पड़ा।

मृतकों की संख्या लगातार बढ़ रही

इस ताजा मौत के साथ, संघर्ष से जुड़े हमलों में मारे गए भारतीय नाविकों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे खाड़ी क्षेत्र से गुजरने वाले मर्चेंट जहाजों पर काम करने वाले हजारों भारतीयों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। भारत ने आम नागरिकों वाले जहाजों पर हमलों की कड़ी निंदा की है और अंतरराष्ट्रीय जहाजों पर काम करने वाले भारतीय क्रू सदस्यों की सुरक्षा के प्रति अपनी चिंता दोहराई है। सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और शिपिंग कंपनियों तथा प्रभावित परिवारों के संपर्क में है।

तेल व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण रास्ता

भारत मर्चेंट नेवी कर्मचारियों के दुनिया के सबसे बड़े आपूर्तिकताओं में से एक है ; हजारों भारतीय नाविक तेल टैंकरों, कार्गो जहाजों और कंटेनर जहाजों पर काम करते हैं जो नियमित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते हैं। यह संकरा जलमार्ग वैश्विक तेल व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण रास्ता है, जिससे यह क्षेत्र में तनाव बढ़ने पर एक रणनीतिक रूप से संवेदनशील बिंदु बन जाता है। चूंकि संघर्ष के कम होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं, इसलिए इस ताजा त्रासदी से कमर्शियल शिपिंग और आम नागरिकों वाले नाविकों की सुरक्षा के लिए मजबूत अंतरराष्ट्रीय उपायों की मांग फिर से उठने की संभावना है, जो इस फैलते क्षेत्रीय युद्ध की चपेट में आ गए हैं।

दुनिया का 'मोबाइल' कैदी: लॉरेंस बिश्नोई के प्रत्यर्पण की अमेरिकी मांग पर दल खालसा ने अंतरराष्ट्रीय जांच की मांग की

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जुलाई। अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के प्रत्यर्पण की मांग करने की खबरों के बाद, सिख संगठन दल खालसा ने 2023 में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच की मांग की है। अमेरिका के इस कदम से, जो बिश्नोई को कनाडा में निज्जर की हत्या से सीधे तौर पर जोड़ता है, दल खालसा ने कहा कि इससे विदेशों में रहने वाले सिखों के बीच यह विश्वास और मजबूत होता है कि इस एक्टिविस्ट को खत्म करने की साजिश नई दिल्ली से रची गई थी। इन घटनाक्रमों पर प्रतिक्रिया देते हुए, कट्टरपंथी सिख अलगाववादी समूह ने संगठित अपराध सिंडिकेट और सरकारी अधिकारियों के बीच बढ़ते गठजोड़ की कड़ी निंदा की।

खालिस्तान खत्म करने को आपराधिक नेटवर्क का इस्तेमाल

दल खालसा के नेता परमजीत सिंह मंड ने कहा कि अमेरिका में बिश्नोई और उसके फरार साथी गोल्डी बराड़ पर निज्जर की हत्या का निर्देश देने का आरोप लगाने वाला अनसील्ड आरोप-पत्र समूह के लंबे समय से चले आ रहे रुख की पुष्टि करता है। दल खालसा का तर्क है कि इन आपराधिक नेटवर्क का इस्तेमाल विदेशी धरती पर खालिस्तान समर्थक एक्टिविस्ट को निशाना बनाने, डराने-धमकाने और खत्म करने के लिए किराए के प्रॉक्सी और ₹सरकारी संपत्ति₹ के तौर पर किया जा रहा है।

कथित मास्टरमाइंड जेलों में बंद

मंड ने यह भी सवाल उठाया कि ऐसे नेटवर्क वैश्विक स्तर पर कैसे काम करते रहते हैं, जबकि उनके कथित मास्टरमाइंड भारत में जेल में बंद हैं। मंड ने कहा, गुजरात की जेल में कड़ी सुरक्षा के बीच बिश्नोई के बंद होने के बावजूद, उसका आपराधिक नेटवर्क पूरे भारत और कई विदेशी देशों में फैल गया है। यह शायद सबसे स्पष्ट संकेत है कि ऐसा नेटवर्क 'डीप स्टेट' के कुछ हिस्सों से सुरक्षा, मदद या संरक्षण के बिना इतना बड़ा नहीं हो सकता था। तत्काल जवाबदेही की मांग करते हुए, दल खालसा ने पश्चिमी सरकारों से राजनीतिक हत्याओं के पीछे के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की अंतरराष्ट्रीय जांच शुरू करने का आह्वान किया है।

नई दिल्ली अपनी स्थिति स्पष्ट करे

संगठन ने नई दिल्ली से भी आग्रह किया कि वह अपनी स्थिति स्पष्ट करे और अमेरिकी निष्कर्षों को खारिज करने के बजाय सीधे उन पर बात करे। दल खालसा का कहना है कि आपराधिक सिंडिकेट और गुप्त सरकारी एजेंटों के बीच कथित मिलीभगत दुनिया भर में रहने वाले सिखों की सुरक्षा के लिए एक गंभीर और तत्काल खतरा पैदा करती है।

वैष्णो देवी मंदिर में 20 टन नकली चांदी का मामला? कोर्ट ने मांगा जांच रिकॉर्ड

जम्मू/यूटर्न/14 जुलाई। माता वैष्णो देवी मंदिर में चढ़ाई गई कथित 20 टन नकली चांदी को लेकर उठे विवाद ने एक बार फिर सुर्खियां बटोर ली हैं। मामले में अदालत ने संबंधित प्राधिकरणों से जांच से जुड़े रिकॉर्ड तलब किए हैं। कोर्ट के इस कदम के बाद पूरे मामले की निष्पक्ष जांच को लेकर चर्चा तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि याचिका में आरोप लगाया गया है कि मंदिर में इस्तेमाल या चढ़ाई गई बड़ी मात्रा में चांदी की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठे हैं। इसी संबंध में अदालत से जांच की मांग की गई थी। अब अदालत ने संबंधित रिकॉर्ड प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं ताकि तथ्यों की जांच की जा सके। हालांकि, यह स्पष्ट करना जरूरी है कि अब तक अदालत ने यह नहीं कहा है कि मंदिर में वास्तव में 20 टन नकली चांदी पाई गई है। फिलहाल मामला न्यायिक प्रक्रिया में है और आरोपों की सत्यता की जांच की जानी बाकी है। मामले पर संबंधित अधिकारियों की ओर से रिकॉर्ड प्रस्तुत किए जाने के बाद ही अदालत आगे की सुनवाई करेगी।

कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा का पलटवार, 'स्वच्छता से स्वागत' अभियान को बताया जनसेवा का प्रतीक

चंडीगढ़/यूटर्न/14 जुलाई। चंडीगढ़ भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं डोर-टू-डोर गारबेज कलेक्शन सोसायटी के प्रभारी ओमप्रकाश सैनी ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एच.एस. लक्की द्वारा भाजपा के 'स्वच्छता से स्वागत' अभियान पर लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए कांग्रेस पर राजनीतिक बयानबाजी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा का स्वच्छता अभियान किसी राजनीतिक आयोजन का हिस्सा नहीं, बल्कि जनसेवा और स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। जारी बयान में सैनी ने कहा कि कांग्रेस जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है, जबकि पिछले दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चंडीगढ़ ने विकास के कई नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा कार्यकर्ता और सफाई मित्र प्रतिदिन शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं, जबकि कांग्रेस केवल फोटो खिंचवाने की राजनीति करती रही है। सैनी ने नगर निगम के सफाई कर्मचारियों और डोर-टू-डोर गारबेज कलेक्टर्स के हितों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने ठेकेदारी व्यवस्था से जुड़े शोषण को कम करने और कर्मचारियों के वेतन, स्वास्थ्य बीमा तथा अन्य अधिकारों को सुरक्षित करने की दिशा में कदम उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा मजदूरों का इस्तेमाल केवल वोट बैंक की राजनीति के लिए किया। डड्डूमाजरा डंपिंग ग्राउंड को लेकर कांग्रेस के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए सैनी ने कहा कि यह समस्या वर्षों पुरानी है और इसकी जिम्मेदारी कांग्रेस की नीतियों पर है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार ने बायो-माइनिंग परियोजना के माध्यम से डंपिंग ग्राउंड के निस्तारण का कार्य शुरू किया, जो अब अंतिम चरण में है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma

तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।

Contact - +91 9814295372